

एनआरआरआई सूचना-पत्र

NRRI Newsletter



AgriSearch with a human touch

Vol. 46; No. 1

January-March, 2025

जनवरी-मार्च, 2025

ISSN 0972-5865

विषयसूची / CONTENTS

आयोजन	
भाकृअनुप-एनआरआरआई ने नवाचार, टीमवर्क और सकारात्मकता के साथ 2025 को स्वागत किया	01
भाकृअनुप-सीआरआरआई, कटक में "मन की शक्ति: इसके रहस्य और विज्ञान" विषय पर एक प्रेरक और आध्यात्मिक वार्ता का आयोजन	02
सीआरआरआई, कटक में अम्लीय मृदा प्रबंधन के लिए मूल स्लेग-आधारित मूल्य वर्धित उत्पादों पर राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित	03
भाकृअनुप-सीआरआरआई में 'स्कूली बच्चों का प्रशिक्षण सह भ्रमण कार्यक्रम' आयोजित	03
आईसीएआर के महानिदेशक ने केवीके, कटक में प्रमुख सुविधाओं का उद्घाटन किया	04
अनुसंधान सलाहकार समिति (आरएसी) की 30वीं बैठक	05
संस्थान प्रबंधन समिति (आईएमसी) 37वीं बैठक	05
भाकृअनुप-सीआरआरआई, कटक में किसान सम्मान समारोह 2025	06
संसदीय राजभाषा समिति की आलेख एवं साक्ष्य उप समिति द्वारा नराकास, कटक का निरीक्षण कार्यक्रम	06
सीआरआरआई, कटक में पूर्वी क्षेत्र क्षेत्रीय कृषि मेला 2024-25 का उद्घाटन	07
आईएआरआई-सीआरआरआई कटक हब द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का उत्सव	08
एनआरआरआई क्षेत्रीय केंद्र, हजारीबाग	08
एनआरआरआई क्षेत्रीय केंद्र, गेरुआ	09
कृषि विज्ञान केंद्र कार्यक्रम	09
प्रशिक्षण कार्यक्रम	11
प्रदर्शनी	14
आगतुक	15
समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर	15
सम्मेलन/परिसंवाद/कार्यशाला/शीतकालीन पाठ्यक्रम/प्रदर्शनी/प्रशिक्षण कार्यक्रम/बैठकों में प्रतिभागिता	19
निपुणता	22
स्थानांतरण/ इस्तीफा	22
निदेशक की कलम से	23

Events	
ICAR-NRRI Welcomes 2025 with Innovation, Teamwork, and Positivity	01
Motivational and Spiritual Talk on "The Power of Mind: Its Secrets and Science" at ICAR-CRRI, Cuttack	02
National Workshop on EcoLime+ for Acid Soil Management Held at ICAR-CRRI, Cuttack	03
Training cum Exposure Visit for School Students Held at ICAR-CRRI	03
ICAR DG Inaugurates Key Facilities at KVK, Cuttack	04
30th Research Advisory Committee (RAC) Meeting	05
37th Institute Management Committee (IMC) Meeting	05
Kisan Samman Samaroh 2025 at ICAR-CRRI, Cuttack	06
Inspection of TOLIC, Cuttack by the Drafting & Evidence Sub-Committee of Parliamentary Committee on Official Language	06
Eastern Zone Regional Agriculture Fair 2024-25 held at ICAR-CRRI, Cuttack	07
International Women's Day Celebrated at IARI-CRRI Cuttack	08
Hub with Enthusiastic Participation	08
CRRI Regional Station, Hazaribagh	08
CRRI Regional Station, Gerua	09
KVK Programmes	09
Training Programmes	11
Participation in Exhibition	14
Visitors	15
MoUs Signed	15
RESEARCH NOTE	16
Seminar/ Symposia/ Workshop/ Winter School/ Exhibition/ Training Programmes/ Meetings attended	19
Award	20
Radio Talks	20
Publication	20
Appointment	22
Transfer/ Resigned	22
From Director's Desk	23

आयोजन

भाकृअनुप-एनआरआरआई ने नवाचार, टीमवर्क और सकारात्मकता के साथ 2025 को स्वागत किया



Events

ICAR-NRRI Welcomes 2025 with Innovation, Teamwork, and Positivity

भाकृअनुप-राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान (एनआरआरआई), कटक ने 2 जनवरी 2025 को अपने कर्मचारियों के बीच सौहार्द और प्रेरणा को बढ़ावा देते हुए नए साल की विचार-विनिमय चर्चा और समीक्षा बैठक मनाई। भाकृअनुप-एनआरआरआई, कटक के निदेशक डॉ. ए.के. नायक ने 2024 में संस्थान की उत्कृष्ट उपलब्धियों पर विचार किया और टीम को एक परिवर्तनकारी 2025 के लिए नवाचार और टीम वर्क को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया। उत्साह और सकारात्मक ऊर्जा बनाए रखने के महत्व पर प्रकाश डालते हुए, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सहयोग और आपसी समर्थन के

On 2nd January 2025, the ICAR-National Rice Research Institute (NRRI), Cuttack, celebrated its New Year Interaction and Review Meet, fostering camaraderie and inspiration among its staff. Dr. A.K. Nayak, Director of ICAR-NRRI, Cuttack reflected on the institute's outstanding accomplishments in 2024 and encouraged the team to embrace innovation and teamwork for a transformative 2025. Highlighting the importance of maintaining enthusiasm



भाकृअनुप-राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, कटक
ICAR-NATIONAL RICE RESEARCH INSTITUTE, CUTTACK

हमारी वेबसाइट पर जाएँ / Visit us at: www.icar-nrri.in



माध्यम से “खुश हार्मोन” को बढ़ावा देने से रचनात्मकता और उत्पादकता में वृद्धि हो सकती है। उन्होंने आने वाले वर्ष को अभूतपूर्व खोजों और खेल-परिवर्तनकारी उपलब्धियों के रूप में देखा, और सभी से उत्कृष्टता की सीमाओं को आगे बढ़ाने का आग्रह किया। प्रभागों के अध्यक्षों और कर्मचारियों की टिप्पणियों ने प्रेरक भावना को बढ़ाया। संस्थान के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी श्री वी. गणेश कुमार ने हार्दिक स्वागत किया और श्री आर.के. सिंह, वरिष्ठ वित्त एवं लेखा अधिकारी ने धन्यवाद ज्ञापन के माध्यम से आभार व्यक्त किया, जिससे प्रेरणा और सद्भावना का दिन समाप्त हुआ।



and positive energy, he emphasized how fostering “happy hormones” through collaboration and mutual support could enhance creativity and productivity. He envisioned the year ahead as one of ground breaking discoveries and game-changing achievements, urging everyone to continue pushing the boundaries of excellence. Remarks from the Heads of Divisions and staff added to the motivational spirit, while Shri V. Ganesh Kumar, SAO, extended a heartfelt welcome, and Shri R.K. Singh, Sr. F & AO, expressed gratitude through the vote of thanks, rounding off a day of inspiration and goodwill.

भाकृअनुप-सीआरआरआई, कटक में “मन की शक्ति: इसके रहस्य और विज्ञान” विषय पर एक प्रेरक और आध्यात्मिक वार्ता का आयोजन

भाकृअनुप-केंद्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, कटक में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के सहयोग से 21 जनवरी, 2025 को “मन की शक्ति: इसके रहस्य और विज्ञान” विषय पर एक प्रेरक और आध्यात्मिक वार्ता आयोजित की गई। यह वार्ता ब्रह्माकुमारी की प्रसिद्ध प्रेरक वक्ता और शिक्षिका राजयोगिनी बी के गोपी द्वारा दी गई। यह वार्ता संस्थान के कर्मचारियों, छात्रों और विद्वानों के बीच प्रेरणा, कल्याण और भलाई के लिए आयोजित की गई थी।

सीआरआरआई के निदेशक ने इस कार्यक्रम की अध्यक्षता की एवं मानव संसाधन विकास, समन्वयक और फसल उन्नयन प्रभाग के अध्यक्ष डॉ. एस. सामंताराय ने मंच पर अतिथियों का स्वागत किया।

राजयोगिनी बी के कुलदीप ने वक्ता का परिचय श्रोताओं से कराया। राजयोगिनी बी के गोपी ने अपने विचार-विमर्श में मन, उसकी संरचना, मानसिकता और आदतों का निर्माण, आदतों के पैटर्न को बदलना, खुद से फिर से जुड़ना, लक्ष्य प्राप्त करने के नियम, मन पर नियंत्रण के लिए चार प्रकार के विचारों के बारे में वर्णन किया। इस विचार-विनिमय में ध्यान और मन के खेलों के विषयों पर सत्रों का आयोजन किया गया था।

इस विचार-विनिमय सत्र के बाद निदेशक डॉ. ए.के. नायक ने सभा को संबोधित किया। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय ने डॉ. ए.के. नायक को सम्मानित किया। फसल उन्नयन प्रभाग के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. एस. सरकार ने कार्यक्रम के समापन में सभी को धन्यवाद ज्ञापन किया।



Motivational and Spiritual Talk on “The Power of Mind: Its Secrets and Science” at ICAR-CRRI, Cuttack

A motivational and spiritual talk titled “The Power of Mind: Its Secrets and Science” was organized at ICAR-Central Rice Research Institute (CRRI), Cuttack, on 21 January 2025, in collaboration with Prajapita Brahma Kumaris Ishwariya Viswa Vidyalaya. The session was conducted by Rajyogini BK Gopi, an esteemed motivational speaker and educator from the Brahma Kumaris, with the objective of fostering motivation, mental well-being, and inner harmony among the institute’s staff, students, and scholars.

The program was presided over by Dr. A.K. Nayak, Director, ICAR-CRRI. Dr. S. Samantaray, HRD Coordinator and Head, CID, welcomed the dignitaries, and Rajyogini BK Kuldeep introduced the guest speaker to the audience.

In her engaging talk, Rajyogini BK Gopi shed light on the nature and structure of the mind, the formation of mindset and

habits, techniques for changing habit patterns, and the importance of self-connection. She also shared practical insights on managing the four types of thoughts to gain better control over the mind and achieve life goals. The session was enriched with interactive mind games and guided meditation exercises, providing participants a reflective and rejuvenating experience.

The talk concluded with encouraging remarks by Dr. A.K. Nayak, who was also felicitated by the Brahma Kumaris. The event ended with a formal vote of thanks delivered by Dr. S. Sarkar, Scientist, CID, ICAR-CRRI.

सीआरआरआई, कटक में अम्लीय मृदा प्रबंधन के लिए मूल स्लैग-आधारित मूल्य वर्धित उत्पादों पर राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित

भाकृअनुप-केंद्रीय चावल अनुसंधान संस्थान (सीआरआरआई), कटक ने 4 फरवरी 2025 को “मूल स्लैग-आधारित मूल्य वर्धित उत्पादों का उपयोग द्वारा अम्लीय मृदा प्रबंधन” विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला और प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया। यह कार्यक्रम ओडिशा सरकार द्वारा वित्तपोषित परियोजना “ओडिशा की अम्लीय मिट्टी को पुनः प्राप्त करने के लिए मिट्टी में सुधार के रूप में बेसिक स्लैग और फ्लाई ऐश का आर्थिक और पर्यावरण के अनुकूल उपयोग” (सफर): सर्कुलर इकोनॉमी को बढ़ावा देने के लिए अपशिष्ट से धन के तहत आयोजित किया गया था। कार्यशाला में लगभग 90 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें ओडिशा सरकार के प्रमुख अधिकारी, टाटा स्टील, वेदांता प्राइवेट लिमिटेड और आरएम एग्रिको के प्रमुख उद्योग प्रतिनिधि, साथ ही स्टार्टअप, किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) और अनुगुल, ढेंकानाल, झारसुगुड़ा, सुंदरगढ़, जाजपुर और कटक के किसान शामिल थे।

कार्यशाला के दौरान किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड, पराली अपघटक (सीआर कम्पोस्टर) और इकोलाइम+, एक मूल्यवर्धित मूल स्लैग-आधारित मृदा संशोधन वितरित किया गया। उन्होंने मृदा नमूनाकरण, अम्लीय मृदा प्रबंधन और इकोलाइम+ के उत्पादन पर जागरूकता प्रशिक्षण में भी भाग लिया। फसल उत्पादन प्रभाग के प्रमुख और ‘सफर’ परियोजना के मुख्य अन्वेषक डॉ. प्रताप भट्टाचार्य ने चूना सामग्री के रूप में मूल स्लैग और फ्लाई ऐश के मूल्यवर्धित उत्पादों के उपयोग और मिट्टी के स्वास्थ्य को बढ़ाने और एक स्थायी उपज को बढ़ावा देने के महत्व पर जोर दिया।

कार्यशाला ने स्थाई कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देने, मिट्टी के क्षरण को दूर करने और पर्यावरण सुरक्षा और बढ़ी हुई फसल उत्पादकता सुनिश्चित करने हेतु शोधकर्ताओं, नीति निर्माताओं और उद्योग हितधारकों के बीच सहयोग को बढ़ावा देने के लिए भाकृअनुप-सीआरआरआई की प्रतिबद्धता को मजबूत किया।

भाकृअनुप-सीआरआरआई में “स्कूली बच्चों का प्रशिक्षण सह भ्रमण कार्यक्रम” आयोजित

एनआरएफ/एसईआरबी द्वारा वित्त पोषित परियोजना के वैज्ञानिक सामाजिक उत्तरदायित्व मद के अंतर्गत भाकृअनुप-सीआरआरआई में एक दिवसीय प्रशिक्षण सह एक्सपोजर विजिट का आयोजन किया गया। इसका आयोजन आईएनएएस-आईएनवाईएस, दिल्ली और कटक चैप्टर, एनएएस, दिल्ली के सहयोग से किया गया। कार्यक्रम में सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, पोतापोखरी, नुआबाजार, कटक, एलआर डीएवी पब्लिक स्कूल, कटक, ओडिशा और बिद्याधरपुर गर्ल्स हाई स्कूल, कटक के कुल एक सौ पैंतालीस विद्यार्थियों ने भाग



National Workshop on EcoLime+ for Acid Soil Management Held at ICAR-CRRI, Cuttack

ICAR-Central Rice Research Institute (CRRI), Cuttack, organized a one-day national workshop and training on “Acid Soil Management Using Basic Slag-Based Value-Added Products (EcoLime+)”, under the SAFAR project, funded by the Government of Odisha on 4 February 2025. The workshop brought together around 90 participants, including officials from the Odisha Agriculture Department, industry partners (Tata Steel, Vedanta, RM Agrico), FPOs, startups, and farmers from six districts. The event was chaired by Dr. A.K. Nayak, Director, ICAR-CRRI, and attended by dignitaries like Shri Basanta K. Dey (JDA), Dr. Ashok K. Kar (CDAO), and Er. R. Priyadarshini (SPCB).

Farmers received Soil Health Cards, CR Composter, and EcoLime+, and took part in training on soil sampling, acid soil management, and product application. Dr. Pratap Bhattacharya, Principal Investigator of the SAFAR

project, highlighted the benefits of using slag and fly ash to improve soil health. Industry representatives shared their experiences in product development and field impact.

The workshop reinforced ICAR-CRRI's efforts to promote sustainable agriculture, acid soil reclamation, and waste-to-wealth solutions through collaboration between researchers, industry, and farming communities.

Training cum Exposure Visit for School Students Held at ICAR-CRRI

ICAR-CRRI, Cuttack organized a one-day “Training cum Exposure Visit for School Children” under the Scientific Social Responsibility initiative of ANRF/SERB-funded projects, in collaboration with INAS-INYAS and NAAS (Delhi & Cuttack Chapters). A total of 145 students and 10 teachers from three Cuttack schools, Saraswati Sishu Vidya Mandir, LR DAV Public School, and Bidyadharpur Girl's High School



लिया। विद्यार्थियों को आईसीएआर-सीआरआरआई के ओराइजा संग्रहालय, जैव उर्वरक इकाई, कीटनाशक अवशेष प्रयोगशाला, पर्यावरण मृदा विज्ञान प्रयोगशाला, ओपन टॉप चैंबर जैसी विभिन्न सुविधाओं से अवगत कराया गया।

विद्यार्थियों के साथ एक अंतःक्रियात्मक सत्र आयोजित किया गया और इसकी अध्यक्षता आईसीएआर-सीआरआरआई के निदेशक डॉ. अमरेश कुमार नायक ने की। डॉ. नायक ने विद्यार्थियों को राष्ट्रीय खाद्य और पोषण सुरक्षा में कृषि के महत्व के बारे में जानकारी दी। डॉ. एस सामंतराय ने छात्राओं को कृषि के क्षेत्र में उपलब्ध अवसरों और उनके द्वारा खोजे जा सकने वाले करियर की संभावनाओं के बारे में बताया, जिसमें महिला छात्राओं पर विशेष ध्यान दिया गया। डॉ. सुष्मिता मुंडा ने छात्राओं के लिए उपलब्ध करियर के अवसरों पर एक व्याख्यान दिया। डॉ. अरूप मुखर्जी ने छात्रों को आईसीएआर-सीआरआरआई के बारे में जानकारी दी और छात्रों को STEM विषय में अपना करियर बनाने के लिए प्रेरित किया।

आईसीएआर के महानिदेशक ने केवीके, कटक में प्रमुख सुविधाओं का उद्घाटन किया

कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग (डीएआरई) के सचिव और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के महानिदेशक डॉ. हिमांशु पाठक ने 8 फरवरी, 2025 को कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके), कटक में कई प्रमुख कृषि सुविधाओं का उद्घाटन किया। नवनिर्मित किसान छात्रावास, अत्याधुनिक बीज प्रसंस्करण इकाई और किसान मेला जिले के कृषक समुदाय को समर्पित किया गया, जिसका उद्देश्य कृषि अवसंरचना और सहायता प्रणालियों को बढ़ाना है। सभा को संबोधित करते हुए, डॉ. पाठक ने जलवायु परिवर्तन के खिलाफ उत्पादकता और प्रतिरोधिता बढ़ाने के लिए अभिनव अनुसंधान, टिकाऊ कृषि पद्धतियों और किसान-केंद्रित दृष्टिकोणों के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने बुनियादी ढांचे के विकास में कृषि विज्ञान केंद्र की प्रगति पर भी संतोष व्यक्त किया और ओडिशा के क्षेत्रीय केंद्रों के निदेशकों और प्रमुखों को केवीके को मॉडल फार्म साइंस सेंटर के रूप में आकार देने के लिए सलाह दी। आईसीएआर-कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान (अटारी), कोलकाता के निदेशक डॉ. प्रदीप दे, एवं केंद्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, कटक के निदेशक डॉ. अमरेश कुमार नायक ने कृषि विकास में केवीके की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। कार्यक्रम के हिस्से के रूप में, बहुमूल्य कृषि संबंधी जानकारी प्रसारित करने के लिए विस्तार बुलेटिन जारी किए गए।

आईसीएआर के संस्थानों के आमंत्रित अतिथियों, जिला कृषि विभाग के अधिकारियों, क्षेत्र के 200 से अधिक प्रगतिशील किसानों और महिला किसानों ने भी भाग लिया। डॉ. पाठक ने संस्थान के सभी कर्मचारियों, वैज्ञानिकों और छात्रों को भी संबोधित किया। बाद में, डॉ. पाठक को आईसीएआर-सीआरआरआई में सम्मानित किया गया, जहां उन्होंने कृषि अनुसंधान और नवाचार को आगे बढ़ाने के लिए अपना दृष्टिकोण साझा किया। डॉ. श्यामरंजन दास महापात्र, फसल सुरक्षा प्रभाग के अध्यक्ष और केवीके, कटक के नोडल अधिकारी ने स्वागत भाषण दिया और डॉ. रंजन कुमार मोहंता, वरिष्ठ वैज्ञानिक और केवीके, कटक के प्रमुख ने धन्यवाद प्रस्ताव रखा। दोपहर में, डॉ. हिमांशु पाठक को उनके योगदान के लिए सम्मानित करने के लिए आईसीएआर-केंद्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, कटक में एक सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान, डॉ. पाठक ने संस्थान के कर्मचारियों, वैज्ञानिकों और छात्रों को संबोधित किया और कृषि अनुसंधान और नवाचार के लिए अपनी अंतर्दृष्टि और दृष्टि साझा की।



participated. Students visited institutes key facilities including the Oryza Museum, Biofertilizer Unit, Pesticide Residue Lab, and Open Top Chamber.

An interactive session was chaired by Dr. A.K. Nayak, Director, ICAR-CRRI, who spoke on the importance of agriculture and encouraged students to explore careers in research. Talks were delivered by Dr. S. Samantaray, Dr. Sushmita Munda, and Dr. Arup Mukherjee on opportunities in agriculture and STEM. The event featured enriching interactions with NAAS Fellows and INYAS members, inspiring students toward scientific careers.

ICAR DG Inaugurates Key Facilities at KVK, Cuttack

Dr. Himanshu Pathak, Secretary (DARE) and Director General (ICAR), inaugurated key agricultural facilities at Krishi Vigyan Kendra (KVK), Cuttack on February 8, 2025. These included a newly constructed farmers' hostel, a state-of-the-art seed processing unit, and a Kisan Mela, all aimed at strengthening agricultural infrastructure and supporting farmers. In his address, Dr. Pathak emphasized sustainable farming, innovation, and ICAR's central role in transforming Indian agriculture. He praised the development at KVK, Cuttack, and urged ICAR institutes in Odisha to work together to make it a model Farm Science Centre. Dr. Pradip Dey (Director, ICAR-ATARI) and Dr. A.K. Nayak (Director, ICAR-CRRI) highlighted KVK's role in farmer training and skill development. The event featured farmer felicitations, release of extension bulletins, and an interactive session between farmers and scientists covering agriculture and allied sectors.

Several dignitaries from ICAR institutes, district departments, and over 200 farmers attended. Later, Dr. Pathak was felicitated at ICAR-CRRI, where he shared his vision for advancing agricultural research and innovation. Dr. Shyamranjan Das Mohapatra, Head Crop Protection Division and Nodal Officer of KVK, Cuttack delivered welcome address and Dr. Ranjan Kumar Mohanta,

Senior Scientist & Head of KVK, Cuttack proposed vote of thanks. In the afternoon, a felicitation ceremony was held at the ICAR-Central Rice Research Institute, Cuttack to honor Dr. Himanshu Pathak for his contributions. During the event, Dr. Pathak addressed the institute's staff, scientists, and students, sharing his insights and vision for agricultural research and innovation.

अनुसंधान सलाहकार समिति (आरएसी) की 30वीं बैठक

भाकृअनुप-सीआरआरआई की अनुसंधान सलाहकार समिति (आरएसी) की 30वीं बैठक 18-19 फरवरी 2025 के दौरान भारत सरकार के पीपीवी एंड एफआरए के अध्यक्ष डॉ. टी. महापात्र की अध्यक्षता में हुई। इस अवसर पर उपस्थित सदस्यों में डॉ. शशिधर एचई, पूर्व प्रोफेसर, कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, जीकेवीके परिसर, बेंगलुरु; डॉ. डी. के. शर्मा, पूर्व निदेशक, भाकृअनुप-सीएसएसआरआई, करनाल; डॉ. एम. के. नाइक, कुलपति (पूर्व), केलाडी शिवप्पा नायक कृषि और बागवानी विज्ञान विश्वविद्यालय शिवमोग्गा और प्रोफेसर (उच्च शैक्षणिक ग्रेड) कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, रायचूर, कर्नाटक; डॉ. वी. चिन्नसामी, संयुक्त निदेशक (अनुसंधान), आईएआरआई, नई दिल्ली; डॉ. एन. पी. सिंह, सदस्य कृषि लागत और मूल्य आयोग (सीएसीपी), भारत सरकार, डॉ. एस.के. प्रधान, एडीजी (एफएफसी), आईसीएआर, नई दिल्ली; भाकृअनुप-सीआरआरआई, कटक के निदेशक डॉ. ए.के. नायक, झारखंड से किसान प्रतिनिधि श्री पवन कुमार साहू, ओडिशा से किसान प्रतिनिधि श्री अमरेश्वर मिश्रा और आईआईआरआर, हैदराबाद के निदेशक डॉ. आर.एम. सुंदरम विशेष आमंत्रित सदस्य थे। संस्थान के निदेशक ने संस्थान की प्रमुख उपलब्धियों की संक्षिप्त रिपोर्ट प्रस्तुत की और प्रभाग प्रमुखों ने पिछले वर्ष की उपलब्धियों की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की। आरएसी के अध्यक्ष और सदस्यों ने पिछले वर्ष की उपलब्धियों के लिए संस्थान के वैज्ञानिकों की सराहना की, जिसमें नई किस्में, जलवायु-प्रतिरोधी प्रौद्योगिकियां, पेटेंट, उच्च प्रभाव वाले प्रकाशन, बुनियादी ढांचे का विकास और युवा वैज्ञानिकों की भर्ती शामिल हैं। निदेशक ने राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा में सीआरआरआई के योगदान पर प्रकाश डाला, जिसे व्यापक रूप से सराहा गया। आरएसी सदस्यों ने अनुसंधान को व्यावहारिक कृषि समाधानों में बदलने की आवश्यकता पर बल दिया और सतत विकास के लिए नए शोध के रास्ते सुझाए डॉ. (श्रीमती) संघमित्रा सामंतराय, अध्यक्ष, फसल उन्नयन प्रभाग, सीआरआरआई, कटक सदस्य सचिव थीं।



30th Research Advisory Committee (RAC) Meeting

The 30th Research Advisory Committee (RAC) Meeting of ICAR-CRRI was held on 18-19 February 2025 under the Chairmanship of Dr. T. Mohapatra, Chairperson, PPV&FRA, Govt. of India. The members present were Dr. Shashidhar H.E., Ex-professor, University of Agricultural Science, GKVK Campus, Bangalore; Dr. D.K. Sharma, Ex-Director, ICAR-CSSRI, Karnal; Dr. M.K. Naik, Vice Chancellor (Former), Keladi Shivappa Nayaka University of Agricultural & Horticultural Sciences Shivamogga and Professor (Higher Academic Grade) University of Agricultural Sciences, Raichur, Karnataka; Dr. V. Chinnusamy, Joint-Director (Research), IARI, New Delhi; Dr. N.P. Singh, Member Commission for Agricultural Costs and Prices (CACPC), Govt. of India; Dr. S.K. Pradhan, ADG (FFC), ICAR, New Delhi; Dr. A.K. Nayak, Director, ICAR-CRRI, Cuttack; Shri Pawan Kumar Sahu, Farmer Representative from Jharkhand; Shri Amareswar Mishra, Farmer Representative from Odisha and Dr. R.M. Sundaram, Director, IIRR, Hyderabad as special invitee. The Director of the institute presented a brief report of major accomplishments of the institute and Heads of Divisions presented detailed reports of achievements made in the last year. The RAC Chairman and members commended the Institute's scientists for their achievements over the past year, including new varieties, climate-resilient technologies, patents, high-impact publications, infrastructure development, and young scientist recruitment. The Director highlighted CRRI's contribution to national food security, which was widely appreciated. RAC members emphasized the need to translate research into practical agricultural solutions and suggested new research avenues for sustainable development. After completion of the meeting, members visited research laboratories and new initiatives of the institute and appreciated the progress. Dr. (Mrs.) Sanghamitra Samantaray, Head, Crop Improvement Division, CRRI, Cuttack was the Member Secretary.

संस्थान प्रबंधन समिति (आईएमसी) की 37वीं बैठक

संस्थान प्रबंधन समिति (आईएमसी) की 37वीं बैठक 20 फरवरी 2025 को भाकृअनुप-सीआरआरआई, कटक के निदेशक डॉ. ए.के. नायक की अध्यक्षता में हाइब्रिड मोड में आयोजित की गई। बैठक में उपस्थित सदस्यों में डॉ. पी.के. राउल, कुलपति, ओयूएटी, भुवनेश्वर (ऑनलाइन), श्री बलराम सुबुद्धि, संयुक्त निदेशक, विशेष कार्यक्रम, कृषि एवं खाद्य उत्पादन निदेशक, ओडिशा सरकार, श्री ए. मिश्रा, भुवनेश्वर, श्री पी.के. साहू, रांची, श्री एस. राय, निजी सचिव, राष्ट्रीय मृदा सर्वेक्षण एवं भूमि उपयोग नियोजन ब्यूरो क्षेत्रीय केंद्र, कोलकाता, डॉ. एन. रविशंकर, निजी सचिव, भाकृअनुप-आईआईएफएसआर, मोदीपुरम, श्री पी.के. नायक, एफएओ,



37th Institute Management Committee (IMC) Meeting

The 37th Institute Management Committee (IMC) Meeting was held on 20 February 2025 under the chairmanship of Dr. A.K. Nayak, Director, ICAR-CRRI, Cuttack in hybrid mode. The members present were Dr. P.K. Roul, Vice Chancellor, OUAT, Bhubaneswar (online), Shri Balaram Subudhi, Joint Director, Special Programme, Director of Agriculture & Food Production, Govt. of Odisha, Shri A. Mishra, Bhubaneswar, Shri P.K. Sahu, Ranchi, Shri S. Ray, PS, National Bureau of Soil Survey & Land Use Planning Regional Centre, Kolkata, Dr. N. Ravishankar, PS, ICAR-IIFSR, Modipuram, Shri

भाकृअनुप-केंद्रीय कृषि महिला संस्थान, भुवनेश्वर और डॉ. एस. सामंताराय, अध्यक्ष, फसल उन्नयन प्रभाग, डॉ. एम.जे. बेग, अध्यक्ष, फसल शरीरक्रियाविज्ञान और जैव रसायन प्रभाग, डॉ. पी. भट्टाचार्य, अध्यक्ष, फसल उत्पादन प्रभाग, डॉ. पी सी रथ, प्रभारी अध्यक्ष, फसल सुरक्षा प्रभाग, डॉ. जी ए के कुमार, अध्यक्ष, सामाजिक विज्ञान प्रभाग, डॉ. एम के कर, प्रभारी पीएमई सेल, श्री वी गणेश कुमार, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी, श्री आर.के. सिंह, वरिष्ठ वित्त एवं लेखा अधिकारी, श्री डी. कृष्णा आर, प्रशासनिक अधिकारी और श्री डी. रॉय, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (एसजी), भाकृअनुप-सीआरआरआई, कटक सदस्य सचिव के रूप में भी बैठक में शामिल हुए। बुनियादी ढांचे के विकास, शैक्षणिक केंद्र और निर्माण कार्यों और उपकरणों की खरीद के लिए बजटीय प्रावधानों से संबंधित मामलों पर चर्चा की गई।

भाकृअनुप-सीआरआरआई, कटक में किसान सम्मान समारोह 2025

माननीय प्रधानमंत्री द्वारा पीएम-किसान की 19वीं किस्त जारी करने के उपलक्ष्य में भाकृअनुप-सीआरआरआई, कटक में 24 फरवरी, 2025 को किसान सम्मान समारोह 2025 का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन कृषि विज्ञान केंद्र, भाकृअनुप-सीआरआरआई, कटक ने कृषि एवं किसान सशक्तिकरण विभाग, ओडिशा के सहयोग से किया था। इस अवसर पर कटक सदर के माननीय विधायक श्री प्रकाश चंद्र सेठी और अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट (विकास) डॉ. इप्सिता प्रियदर्शिनी सहित गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। भाकृअनुप-सीआरआरआई, कटक के निदेशक डॉ. ए.के. नायक और विभिन्न विभागों के अध्यक्षों ने भाग लिया, जिसमें 420 से अधिक किसान और अधिकारी उपस्थित थे। प्रतिभागियों ने भागलपुर, बिहार से माननीय प्रधानमंत्री द्वारा किस्त जारी किए जाने को ऑनलाइन देखा। श्री अशोक कुमार कर, सी.डी.ए.ओ., कटक, और डॉ. रंजन कुमार मोहंता, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख, के.वी.के. कटक ने कार्यक्रम का समन्वयन किया।



P.K. Nayak, FAO, ICAR-Central Institute for Women in Agriculture, Bhubaneswar and Dr. S. Samantaray, Head, Crop Improvement Division, Dr. M.J. Baig, Head, Crop Physiology & Biochemistry Division, Dr. P. Bhattacharya, Head, Crop Production Division, Dr. P.C. Rath, I/c Head, Crop Protection Division, Dr. G.A.K. Kumar, Head, Social Science Division, Dr. M.K. Kar, I/c PME Cell, Shri V Ganesh Kumar, Sr. AO, Shri R.K. Singh, Sr. F&AO, Shri D. Krishna R, and Shri D. Roy, CAO (SG), ICAR-CRRI, Cuttack as Member Secretary also attended the meeting. Matters related to infrastructure development, academic hub and budgetary provisions for construction works and purchase of equipment were discussed.

Kisan Samman Samaroh 2025 at ICAR-CRRI, Cuttack

The Kisan Samman Samaroh 2025 was held on February 24, 2025, at ICAR-CRRI, Cuttack, to mark the release of the 19th installment of PM-KISAN by the Hon'ble Prime Minister. The event was organized by Krishi Vigyan Kendra, ICAR-CRRI, Cuttack in collaboration with Department of Agriculture and Farmers Empowerment, Odisha, and. Dignitaries including Hon'ble MLA Cuttack Sadar S.J. Prakash Chandra Sethi, and Dr. Ipsita Priyadarshini, Additional District Magistrate (Development) graced the occasion. Dr. A.K. Nayak, Director, ICAR-CRRI, Cuttack, and heads of various departments participated, with over 420 farmers and officials in attendance. The participants witnessed the online release of the installment by the Hon'ble Prime Minister from Bhagalpur, Bihar. Shri Ashok Kumar Kar, CDAO, Cuttack, and Dr. Ranjan Kumar Mohanta, Senior Scientist & Head, KVK Cuttack, coordinated the event.

संसदीय राजभाषा समिति की आलेख एवं साक्ष्य उप समिति द्वारा नराकास, कटक का निरीक्षण कार्यक्रम

माननीय संसदीय राजभाषा समिति की आलेख एवं साक्ष्य उप समिति द्वारा दिनांक 27.02.2025 को नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास) का अध्यक्ष कार्यालय भाकृअनुप-केंद्रीय चावल अनुसंधान संस्थान समेत इसके अधीन छह सदस्य कार्यालयों जैसे केंद्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवा कर कार्यालय, कटक, केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक 2, कंपनी रजिस्ट्रार-सह-शासकीय समापक कार्यालय, भारतीय खेल प्राधिकरण, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल तथा भारतीय जीवन बीमा निगम, कटक मंडल कार्यालय का राजभाषायी निरीक्षण भुवनेश्वर में किया गया। उक्त निरीक्षण के दौरान भाकृअनुप-केंद्रीय चावल अनुसंधान संस्थान एवं नराकास, कटक के छह सदस्य कार्यालयों द्वारा



Inspection of TOLIC, Cuttack by the Drafting & Evidence Sub-Committee of Parliamentary Committee on Official Language

An inspection programme of the Town Official Language Implementation Committee (TOLIC) including the ICAR-Central Rice Research Institute and its six member offices viz., Central Excise and Service Tax Office, Cuttack, Kendriya Vidyalaya No.2, Office of the Company Registrar-cum-Official Liquidator, Sports Authority of India, National Disaster Response Force and Life Insurance Corporation of India, Cuttack Divisional Office was held on 27 February 2025 in Bhubaneswar by the Sub-Committee on Drafting and

प्रस्तुत संसदीय प्रश्नावली के विभिन्न मदों पर माननीय समिति के अध्यक्ष और समिति के सदस्यगण द्वारा चर्चा की गई और सुझाव दिये गये।

निरीक्षण के प्रारंभ में, माननीय संसदीय राजभाषा समिति के अध्यक्ष श्री भर्तृहरि महाताब ने समिति की ओर से भाग ले रहे सभी सांसदों एवं समिति सचिवालय के अधिकारियों का परिचय करवाया एवं संक्षेप में समिति के गठन, महत्व एवं उद्देश्य के बारे में वर्णन किया। नराकास के अध्यक्ष एवं केंद्रीय चावल अनुसंधान संस्थान के निदेशक डा ए के नायक ने नराकास एवं संस्थान में राजभाषा के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु किये जा रहे कार्यों एवं प्रयासों से सभी समिति को अवगत कराया। बैठक में माननीय समिति के अध्यक्ष महोदय संस्थान द्वारा किये जा रहे प्रयासों को संतोषजनक बताया और इन प्रयासों को भविष्य में जारी रखे जाने का सुझाव दिया। निदेशक महोदय ने समिति के अध्यक्ष एवं सदस्यों को धन्यवाद ज्ञापित किया और माननीय समिति के प्रति हार्दिक आभार प्रकट करते हुये उन्हें आश्वासित किया कि समिति द्वारा प्राप्त सभी निर्देशों और सुझावों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।

सीआरआरआई, कटक में पूर्वी क्षेत्र क्षेत्रीय कृषि मेला 2024-25 का उद्घाटन

केंद्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, कटक 27 फरवरी से 1 मार्च 2025 के दौरान पूर्वी क्षेत्र क्षेत्रीय कृषि मेला 2024-25 का सफलतापूर्वक आयोजन किया। "5जी समर्थित जलवायु स्मार्ट कृषि: स्थिरता और प्रतिरोधिता के लिए कृषि-पारिस्थितिकी तंत्र में बदलाव" शीर्षक वाले इस कार्यक्रम का उद्देश्य ओडिशा, पश्चिम बंगाल, बिहार और झारखंड में स्थिर कृषि को सक्षम करने में 5जी तकनीक की भूमिका पर उद्योग, सरकार और अनुसंधान संस्थानों के बीच संचार और सहयोग के लिए एक मंच प्रदान करना था। भारतीय जल प्रबंधन संस्थान, भुवनेश्वर के निदेशक मुख्य अतिथि और डॉ. जी.सी. आचार्य, केंद्रीय बागवानी परीक्षण केंद्र के अध्यक्ष सम्मानित अतिथि थे। प्रमुख चर्चाओं में भारत के खाद्यान्न-अधिशेष राष्ट्र में परिवर्तन, जलवायु-अनुकूल खेती की आवश्यकता, जल संरक्षण पद्धतियां और बागवानी में उभरती चुनौतियों पर प्रकाश डाला गया।

इस मेले में किसानों, शोधकर्ताओं, नीति निर्माताओं, कृषि उद्यमियों सहित विभिन्न क्षेत्रों के लगभग 2000 हितधारक भाग लिया। इस कार्यक्रम में डिजिटल उपकरणों, स्मार्ट सिंचाई और टिकाऊ प्रथाओं पर केंद्रित लाइव प्रदर्शन, प्रदर्शनी, सेमिनार और किसान-वैज्ञानिक बातचीत शामिल थी। 1 मार्च को समापन सत्र में ओयूएटी के कुलपति प्रो. पी.के. राउल और अटारी-कोलकाता के निदेशक डॉ. पी.के. दे ने भाग लिया। डॉ. जी.ए.के. कुमार के नेतृत्व में तथा डॉ. बी. मंडल, डॉ. एन.एन. जाम्बुलकर और डॉ. एस. पॉल के सहयोग से आयोजित इस मेले में आधुनिक कृषि में प्रौद्योगिकी की बढ़ती भूमिका पर जोर दिया गया तथा ग्रामीण युवाओं में नवाचार और उद्यमशीलता को प्रोत्साहित किया गया।



Evidence Sub-Committee of the Parliamentary Committee on Official Language.

In the inspection meeting, the Hon'ble Chairman of Parliamentary Official Language Committee Shri Bhartruhari Mahtab briefly described the formation, importance and objective of the Committee. Dr. A.K. Nayak, Chairman of TOLIC, Cuttack and Director of Central Rice Research Institute outlined ongoing efforts to promote the Official Language. The Hon'ble members appreciated about the efforts being made by the Institute to achieve the goals set by the Official Language Department and suggested to maintain these efforts in future. The Director thanked the Hon'ble Chairman and members of the Committee and assured full compliance with the Committee's suggestions.

Eastern Zone Regional Agriculture Fair 2024-25 held at ICAR-CRRI, Cuttack

The ICAR-Central Rice Research Institute (CRRI), Cuttack, successfully organized the Eastern Zone Regional Agriculture Fair 2024-25 from February 27 to March 1, 2025. Centered on the theme "5G Enabled Climate Smart Agriculture: Transforming Agri-Ecosystems for Sustainability and Resilience," the fair served as a platform for collaboration among researchers, industry stakeholders, and policymakers from Odisha, West Bengal, Bihar, and Jharkhand. The inaugural session on February 28 was presided over by Dr. A.K. Nayak, Director, ICAR-CRRI. Dr. A. Sarangi, Director, ICAR-IIWM, Bhubaneswar, was the Chief Guest, and Dr. G.C. Acharya, Head, Central Horticulture Experiment Station, was the Guest of Honour. Key discussions highlighted India's transformation into a food-surplus nation, the need for climate-resilient farming, water conservation practices, and the emerging challenges in horticulture.

Over 2,000 participants including farmers, farmwomen, scientists, and agri-entrepreneurs attended. The event featured live demonstrations, exhibitions, seminars, and farmer-scientist interactions focusing on digital tools, smart irrigation, and sustainable practices. The valedictory session on March 1 was graced by Prof. P.K. Roul, Vice-Chancellor, OUAT, and Dr. P.K. Dey, Director, ATARI-Kolkata. Organized under the leadership of Dr. G.A.K. Kumar, with support from Dr. B. Mondal, Dr. N.N. Jambhulkar, and Dr. S. Paul, the fair underscored the growing role of technology in modern agriculture and encouraged innovation and entrepreneurship among rural youth.



आईएआरआई-सीआरआरआई कटक हब द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का उत्सव

एनएसएस के क्षेत्रीय निदेशालय, भुवनेश्वर, युवा मामले और खेल मंत्रालय के सीडीएन अनुभाग और एनएसएस निदेशालय के निर्देशानुसार 3 से 9 मार्च, 2025 के दौरान आईएआरआई-सीआरआरआई कटक हब एनएसएस इकाई ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह के उपलक्ष्य में भाकृअनुप-सीआरआरआई में 08.03.2025 और 09.03.2025 को महिला वॉकथॉन, फिट इंडिया योग, महिलाओं के लिए साइकिलिंग और स्वास्थ्य बनाए रखने की शपथ जैसी कार्यक्रमों का आयोजन किया।

डॉ. ए के नायक, निदेशक, भाकृअनुप-सीआरआरआई और डॉ. संचमित्रा सामंतराय, अकादमिक समन्वयक, आईएआरआई-सीआरआरआई कटक हब ने कार्यक्रमों के संचालन के लिए मार्गदर्शन, समर्थन और सुविधा प्रदान की। आईएआरआई-सीआरआरआई कटक हब के विभिन्न विषयों के बीएससी (कृषि), पीजी और पीएचडी के छात्रों ने कार्यक्रमों में भाग लिया। संस्थान की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. संगीता महांती ने फिटनेस के लिए योग के महत्व के बारे में जानकारी दी। संस्थान के वैज्ञानिक श्री अन्नामलाई एम और डॉ. कीर्तना यू ने महिला वॉकथॉन और महिलाओं के लिए साइकिलिंग गतिविधियों का समन्वय किया।

International Women's Day Celebrated at IARI-CRRI Cuttack Hub with Enthusiastic Participation



The NSS Unit of IARI-CRRI Cuttack Hub organized a series of activities on March 8 and 9, 2025, as part of the International Women's Day celebrations (March 3–9, 2025), following directives from the Regional Directorate of NSS, Bhubaneswar; the CDN Section of the Ministry of Youth Affairs and Sports; and the Directorate of NSS.

Events such as the Women Walkathon, Fit India Yoga session, Cycling for Women, and a Health Pledge were conducted at the ICAR-CRRI campus. These activities were held under the guidance and support of Dr. A.K. Nayak, Director, ICAR-CRRI, and Dr. Sanghamitra Samantaray, Academic Coordinator of IARI-CRRI Cuttack Hub. Students from B.Sc. (Agriculture), Postgraduate, and Ph.D. programmes actively participated in the events. Dr. Sangita Mohanty, Senior Scientist, conducted an informative yoga session, highlighting the role of yoga in physical and mental well-being. Mr. Annamalai M and Dr. Keerthana U, Scientists at the institute, coordinated the Women Walkathon and Cycling for Women.

एनआरआरआई क्षेत्रीय केंद्र, हजारीबाग

किसान मेला

सीआरयूआरआरएस (आईसीएआर-सीआरआरआई), हजारीबाग के टीएसपी कार्यक्रम के तहत गोद लिए गए गांव अरकेरम, ओरमांझी, रांची में 15 फरवरी 2025 को "नई कृषि तकनीक द्वारा अनुसूचित जनजाति किसान परिवारों की आजीविका में सुधार" विषय पर किसान मेला आयोजित किया गया, जिसमें 286 लोगों ने भाग लिया। झारखंड सरकार के मुख्य वन संरक्षक डॉ. सिद्धार्थ त्रिपाठी ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया और किसानों को साझा की गई तकनीकों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया। श्री धनराज बेदिया, श्री रमेश बेदिया और श्री गोपाल राम बेदिया सहित स्थानीय नेताओं ने टीएसपी कार्यक्रम के तहत प्राप्त बीज, पौधे, प्रकाश जाल, मशीनों और अन्य उपकरणों जैसे इनपुट के सकारात्मक प्रभाव को साझा किया।

आठ तकनीकी सत्र आयोजित किए गए, जिनमें उन्नत खेती, मृदा स्वास्थ्य, पशुधन देखभाल, कीट एवं रोग नियंत्रण तथा कृषि मशीनीकरण जैसे विषयों पर चर्चा की गई। पंद्रह किसानों को उनकी प्रदर्शनियों के लिए पुरस्कृत किया गया तथा केवीके, आईसीएआर संस्थानों और राज्य कृषि विभाग द्वारा नौ स्टॉल लगाए गए।

CRRI Regional Station, Hazaribagh

Kisan Mela

A Kisan Mela on "Upliftment in Livelihood of Tribal Farm Families by New Agricultural Technology" was organized on 15 February 2025 at Arakeram, Ormanjhi, Ranchi, an adopted village under the TSP programme of CRURRS (ICAR-CRRI), Hazaribag, with participation from 286 attendees. Dr. Siddharth Tripathi, Chief Conservator of Forest, Govt. of Jharkhand, inaugurated the event and encouraged farmers to adopt the technologies shared. Local leaders including Sri Dhanraj Bedia, Sri Ramesh Bedia, and



Sri Gopal Ram Bedia shared the positive impact of inputs like seeds, saplings, light traps, machines, and other tools received under the TSP programme.

Eight technical sessions were held covering topics such as improved cultivation, soil health, livestock care, pest and disease control, and farm mechanization. Fifteen farmers were awarded for their exhibition displays, and nine stalls were set up by KVKs, ICAR institutes, and the State Agriculture Department.

बिहार के गया जिले से 28 किसान आईसीएआर-आरसीईआर, पटना के वैज्ञानिकों और तकनीकी कर्मचारियों के साथ केवीके, रामगढ़ में अपने प्रशिक्षण और प्रदर्शन दौरे के तहत सीआरयूआरआरएस, हजारीबाग का दौरा किया। केंद्र के प्रमुख डॉ. एन.पी. मंडल ने अपने परिचयात्मक भाषण में केंद्र के कार्यों और उपलब्धियों से किसानों को अवगत कराया। डॉ. शिव मंगल प्रसाद, प्रधान वैज्ञानिक ने पूर्वी भारत खासकर बिहार और झारखंड में चावल की खेती और चावल-परती प्रबंधन के बारे में चर्चा की। डॉ. प्रेम सुंदरम, वरिष्ठ वैज्ञानिक, आरसीईआर, पटना ने किसानों के दौरे के उद्देश्य और लक्ष्यों के बारे में बताया और आभार व्यक्त किया। डॉ. प्रियमेधा ने पूरे कार्यक्रम का संचालन किया। कार्यक्रम के समापन में डॉ. बी.सी. वर्मा ने धन्यवाद ज्ञापन दिया



Twenty-eight Farmers from Gaya district of Bihar along with scientists and technical staff of ICAR-RCER, Patna visited CRURRS, Hazaribag as a part of their training and exposure visits at KVK, Ramgarh. Head of the station, Dr. N. P. Mandal in his introductory remarks enlightened the farmers with the

works and achievements of the centre. Dr. Shiv Mangal Prasad, Pr. Scientist discussed about the rice cultivation and rice-fallow management in Eastern India especially in Bihar and Jharkhand. Dr. Prem Sundaram, Sr Scientist, RCER, Patna explain the aims and objectives of the farmers visit and expressed his gratitude. Dr. Priyamedha moderated the entire programme. The program ended with a vote of thanks by Dr. B.C. Verma.

एनआरआरआई क्षेत्रीय केंद्र, गेरुआ

किसान मेला और प्रदर्शनी से नागालैंड में
कृषि प्रौद्योगिकी में प्रगति

भाकृअनुप-केंद्रीय चावल अनुसंधान संस्थान (सीआरआरआई) कटक का क्षेत्रीय केंद्र, क्षेत्रीय वर्षाश्रित निचलीभूमि चावल अनुसंधान केंद्र (आरआरएलआरआरएस), गेरुआ, हाजो, असम ने 20 मार्च, 2025 को मेदज़िफेमा, नागालैंड में एक किसान मेला और प्रदर्शनी का आयोजन किया। श्री ज़ेलियो रियो इस अवसर को मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। अपने संबोधन में, उन्होंने उत्पादकता बढ़ाने और किसानों की आजीविका में सुधार करने के लिए आधुनिक कृषि प्रथाओं और प्रौद्योगिकी अपनाने के महत्व पर प्रकाश डाला। आईसीएआर, सीएयू और केवीके के गणमान्य व्यक्तियों ने सभा को संबोधित किया। 250 से अधिक किसानों ने भाग लिया और विभिन्न संस्थानों द्वारा प्रदर्शित तकनीकों से परिचित हुए। इस कार्यक्रम में नागालैंड में टिकाऊ खेती को समर्थन देने के लिए बीज और उपकरण भी वितरित किए गए।



CRRI Regional Station, Gerua

Farmers' Fair and Exhibition Promotes
Agricultural Technology in Nagaland

The Regional Rainfed Lowland Rice Research Station (RRLRRS), Gerua, Assam, in collaboration with ICAR Research Complex for NEH Region, Nagaland Centre, organized a Farmers' Fair and Exhibition on 20 March 2025, at Medziphema, Nagaland. The event aimed to empower tribal farmers through modern agricultural technologies and input support. Chief Guest Shri Zhaleo Rio emphasized the need for adopting scientific practices to boost productivity. Dignitaries from ICAR, CAU, and KVKs addressed the gathering. Over 250 farmers participated, gaining exposure to technologies showcased by various institutions. The event also saw the distribution of seeds and implements to support sustainable farming in Nagaland.

कृषि विज्ञान केंद्र कार्यक्रम

कृषि विज्ञान केंद्र, कटक

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया

कृषि विज्ञान केंद्र, कटक ने 8 मार्च 2025 को "सभी महिलाओं और लड़कियों के लिए: अधिकार, समानता और सशक्तिकरण" शीर्षक के तहत अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया। वरिष्ठ वैज्ञानिक और अध्यक्ष डॉ. आर.के. मोहंता ने कृषि में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। डॉ. राजन कंबोज और सुश्री बी. मोनिका के नेतृत्व में आयोजित संवादात्मक सत्रों ने कृषि विकास में महिलाओं की भागीदारी को प्रोत्साहित किया।

KVK Programmes

KVK, Cuttack

International Women's Day celebrated

Krishi Vigyan Kendra, Cuttack celebrated International Women's Day on 8 March 2025, under the theme "For all women and girls: rights, equality and empowerment." Dr. R.K. Mohanta, Senior Scientist and Head, highlighted the vital role of women in agriculture. Interactive sessions led by Dr. Rajan Kamboj and Ms. B. Mounika encouraged women's participation in agricultural development.

कृषि चौपाल कार्यक्रम

कृषि विज्ञान केंद्र, कटक ने 8 मार्च, 2025 को दूरदर्शन किसान चैनल पर प्रसारित कृषि चौपाल के दूसरे धारावाहिक का वेबकास्ट आयोजित किया। इस कार्यक्रम में लगभग 30 किसान शामिल हुए। डॉ. आर.के. मोहंता ने ऐसे मंचों के माध्यम से सामूहिक शिक्षा के महत्व पर जोर दिया। प्रसारण के बाद, डॉ. राजन कंबोज और सुश्री बी. मौनिका द्वारा चावल में आईपीएम, मूल्य संवर्धन और आईसीटी उपकरणों पर एक संवादात्मक सत्र आयोजित किया गया।

परियोजना आरंभ कार्यशाला आयोजित की गई

कृषि विज्ञान केंद्र, कटक ने 18 मार्च, 2025 को गणेश्वरपुर-मलिहाटा क्लस्टर, सालेपुर में “गैर-उत्पादक मवेशियों को ग्रामीण अर्थव्यवस्था में समावेशी विकास और सतत एकीकरण की मुख्यधारा में लाना” परियोजना के लिए आरंभ कार्यशाला आयोजित की। डॉ. आर.के. मोहंता ने गैर-उत्पादक मवेशियों से आर्थिक लाभ बढ़ाने की रणनीतियों पर चर्चा की। सुश्री बी. मौनिका ने डेयरी फार्मिंग के अर्थशास्त्र पर विस्तार से बताया। कार्यक्रम का समन्वय श्री प्रशांत प्रधान, अरबिंद बिसोई और संग्राम केशरी पाणि ने किया।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया गया

कृषि विज्ञान केंद्र, कटक ने महंत विद्यापीठ, उच्चापदा के सहयोग से छात्रों की विज्ञान और प्रौद्योगिकी में रुचि को प्रोत्साहित करने के लिए राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया। छात्रों ने विज्ञान, प्रौद्योगिकी और गणित पर प्रदर्शनियाँ प्रस्तुत कीं और विचार साझा किए। डॉ. आर.के. मोहंता और श्री प्रशांत प्रधान ने छात्रों से चर्चा की और उन्हें वैज्ञानिक गतिविधियों के लिए प्रेरित किया।

विश्व जल दिवस मनाया गया

कृषि विज्ञान केंद्र, कटक ने 22 मार्च, 2025 को जामेना और हरिपुर गांवों, टांगी चौद्वार में “सभी के लिए जल” शीर्षक पर विश्व जल दिवस कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम का उद्देश्य जल संरक्षण और सतत जल प्रबंधन के बारे में जागरूकता बढ़ाना था। 100 से अधिक किसानों, महिला किसानों और युवाओं ने भाग लिया। डॉ. आर.के. मोहंता ने कृषि और जीवन में पानी की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। डॉ. राजन कंबोज ने इसके पारिस्थितिक महत्व पर प्रकाश डाला, जबकि सुश्री बी. मौनिका ने वर्षा जल संचयन और कुशल सिंचाई जैसी जल-कुशल कृषि तकनीकों को बढ़ावा दिया।

कृषि विज्ञान केंद्र, कोडरमा

पीएम किसान सम्मान समारोह

कृषि विज्ञान केंद्र, कोडरमा ने 24 फरवरी 2025 को भागलपुर, बिहार में माननीय प्रधानमंत्री द्वारा पीएम-किसान सम्मान निधि की 19वीं किस्त जारी करने के अवसर पर एक कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती अन्नपूर्णा देवी उपस्थित थीं, जिसमें 450 किसानों ने भाग लिया। कृषि विज्ञान केंद्र के अध्यक्ष डॉ. ए.के. राय ने किसानों के साथ तकनीकी जानकारी साझा की और मंत्री ने एक तकनीकी बुलेटिन जारी किया तथा पाँच प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया। उन्होंने कृषि विज्ञान केंद्र के प्रयासों की सराहना की और आगे भी इस तरह के प्रयासों को प्रोत्साहित किया। केवीके के वैज्ञानिकों ने प्रतिभागियों के साथ नवीनतम कृषि तकनीकों को भी साझा किया।

Krishi Choupal Programme

On March 8, 2025, KVK, Cuttack organized the webcast of the second episode of Krishi Choupal telecast on DD Kisan. Around 30 farmers attended the event. Dr. R.K. Mohanta emphasized the importance of collective learning through such platforms. Post-telecast, an interactive session was held on IPM in rice, value addition, and ICT tools by Dr. Rajan Kamboj and Ms. B. Mounika.

Project Inception Workshop conducted

KVK, Cuttack conducted an inception workshop on March 18, 2025, for the project “Mainstreaming Non-Productive Cattle Inclusive Development and Sustainable Integration into Rural Economics” at Ganeswarpur-Malihata cluster, Salipur. Dr. R.K. Mohanta discussed strategies to enhance economic returns from non-productive cattle. Ms. B. Mounika elaborated on the economics of dairy farming. The event was coordinated by Sri Prasant Pradhan, Arabinda Bisoi, and Sangram Keshari Pani.

National Science Day Celebrated

KVK, Cuttack, in collaboration with Mahanta Bidyapitha, Uchapada, celebrated National Science Day to encourage students' interest in science and technology. Students presented exhibits and shared ideas on science, technology, and mathematics. Dr. R.K. Mohanta and Sri Prasant Pradhan interacted with the students, motivating them towards scientific pursuits.

World Water Day Observed

On March 22, 2025, KVK, Cuttack organized World Water Day events at Jamena and Haripur villages, Tangi Choudwar, on the theme “Water for All.” The programme aimed to raise awareness on water conservation and sustainable water management. Over 100 farmers, farmwomen, and youth participated. Dr. R.K. Mohanta emphasized water's critical role in agriculture and life. Dr. Rajan Kamboj highlighted its ecological importance, while Ms. B. Mounika promoted water-efficient farming techniques such as rainwater harvesting and efficient irrigation.

KVK, Koderma

PM Kisan Samman Samaaroh

On 24th February 2025, Krishi Vigyan Kendra, Koderma organized a programme on the occasion of the release of the 19th instalment of PM-Kisan Samman Nidhi by the Hon'ble Prime Minister in Bhagalpur, Bihar. The event was graced by Union Minister for Women and Child Development, Smt. Annapurna Devi, as Chief Guest, with the participation of 450 farmers. Dr. A.K. Rai, Head of KVK, shared technical insights with farmers, and the Minister released a technical bulletin and honoured five progressive farmers. She appreciated KVK's efforts and encouraged further outreach. KVK scientists also shared the latest agricultural technologies with participants.

जिला स्तरीय किसान मेला-सह-बागवानी प्रदर्शनी ने कोडरमा में किसानों को सशक्त बनाया

कृषि विज्ञान केंद्र, कोडरमा ने राज्य कृषि विभाग और कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन एजेंसी के सहयोग से 6 मार्च, 2025 को जिला स्तरीय किसान मेला-सह-बागवानी प्रदर्शनी का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कोडरमा के उप विकास आयुक्त श्री ऋतुराज (आईएएस) और विशिष्ट अतिथि के रूप में जयनगर की प्रखंड प्रमुख श्रीमती अंजू देवी और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। विभिन्न सरकारी विभागों, गैर सरकारी संगठनों और किसान उत्पादक संगठनों की सक्रिय भागीदारी से कृषि, बागवानी, पशुपालन और मत्स्य पालन में नवीनतम प्रगति को प्रदर्शित करते हुए 12 से अधिक स्टॉल लगाए गए थे। प्रदर्शनी ने किसानों की आय बढ़ाने और टिकाऊ खेती को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सरकारी योजनाओं और आधुनिक कृषि पद्धतियों के बारे में बहुमूल्य जानकारी प्रदान की। स्थानीय किसानों द्वारा उच्च गुणवत्ता वाली कृषि उपज का प्रदर्शन एक मुख्य आकर्षण था, जिसका मूल्यांकन केवीके और राज्य कृषि विभाग के विशेषज्ञ वैज्ञानिकों के एक पैनल द्वारा विभिन्न श्रेणियों के तहत किया गया था। 800 से अधिक किसानों की भागीदारी के साथ, यह कार्यक्रम ज्ञान के आदान-प्रदान, नवाचार को बढ़ावा देने और क्षेत्र में आजीविका और आय सुरक्षा में सुधार के लिए वाणिज्यिक खेती को प्रोत्साहित करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में कार्य करता है।

प्रदर्शन (ओएफटी/एफएलडी/सीएफएलडी)

क्षेत्र-स्तरीय तकनीकी हस्तक्षेप के संदर्भ में, कोडरमा जिले में 10 स्थानों पर 20 किसानों के खेतों पर पिछले तीन महीनों में दो परीक्षण आयोजित किए गए। इसके अलावा, क्लस्टर फ्रंटलाइन डेमोस्ट्रेशन (सीएफएलडी) सहित आठ विभिन्न फसलों और प्रौद्योगिकियों जैसे कि चना, मूंगफली, सरसों, टमाटर, प्याज, पोर्ट तकनीक, मशरूम की खेती और पोषण संबंधी रसोई उद्यानों पर सफलतापूर्वक अग्रिम पंक्ति प्रदर्शनी किया गया। इन प्रदर्शनों में 520 किसान शामिल थे और जिले के 12 अलग-अलग स्थानों में 12 हेक्टेयर में फैले थे, जिसका उद्देश्य कृषक समुदाय के बीच उत्पादकता, आय और प्रौद्योगिकी अपनाने को बढ़ाना था।

प्रशिक्षण कार्यक्रम

इस अवधि के दौरान संस्थान, क्षेत्रीय केंद्रों एवं कृषि विज्ञान केंद्रों द्वारा निम्नलिखित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए।

Title of the Training	Duration/ Date	Course Director & Coordinators	Sponsor	No. of Participants
Improved Paddy Production Technologies According to Changing Climate	6-9 January 2025	Dr. S. Paul, Dr. B. Mondal, Dr. N.N. Jambhulkar	ATMA Darbhanga, Bihar	25
Scientific methods of sheep and goat rearing	10 January 2025	Dr. R.K. Mohanta	KVK, Cuttack	25

District Level Kisan Mela-cum-Horticultural Exhibition Empowers Farmers in Koderma

ICAR-Krishi Vigyan Kendra (KVK), Koderma, in collaboration with the State Department of Agriculture and Agriculture Technology Management Agency (ATMA), organized a District Level Kisan Mela-cum-Horticultural Exhibition on March 6, 2025. The event was graced by Sri Rituraj (IAS), Deputy Development Commissioner, Koderma, as the Chief Guest, and Smt. Anju Devi, Block Pramukh, Jainagar, as the Guest of Honor, along with other dignitaries. More than 12 stalls were set up, showcasing the latest advancements in agriculture, horticulture, animal husbandry, and fisheries, with active participation from various government departments, NGOs, and Farmer Producer Organizations (FPOs). The exhibition provided valuable insights into government schemes and modern agricultural practices aimed at enhancing farmers' income and promoting sustainable farming. A key highlight was the display of high-quality farm produce by local farmers, which was assessed by a panel of expert scientists from ICAR-KVK and the State Agriculture Department under different categories. With an overwhelming participation of over 800 farmers, the event served as a crucial platform for knowledge exchange, fostering innovation, and encouraging commercial farming to improve livelihoods and income security in the region.

Demonstrations (OFT/ FLDs/CFLD)

In terms of field-level technological interventions, two On-Farm Trials (OFTs) were conducted over the last three months on the fields of 20 farmers across 10 locations in the Koderma district. Furthermore, eight Front Line Demonstrations (FLDs), including Cluster Frontline Demonstrations (CFLDs), were successfully implemented on various crops and technologies such as chickpea, groundnut, mustard, tomato, onion, portray technique, mushroom cultivation, and nutritional kitchen gardens. These demonstrations covered 520 farmers and spanned across 12 hectares in 12 different locations within the district, aiming to enhance productivity, income, and technology adoption among the farming community.

Training Programmes

During the period following training programmes were organized by the institute, regional stations and KVKs.



Skill training programme on production and value addition of spices and milk product	13 January 2025	Dr. B. Mondal	Farmer FIRST Programme	55
INM in vegetable crops	14 January 2025	Dr. T.R. Sahoo	KVK, Cuttack	25
Integrated Pest Management in Rice	15 January 2025	Dr. Rajan Kamboj	KVK, Cuttack	25
21-day Summer School training program titled Breeding Modernization to Enhance Substantial Genetic Gain in Crop Plants	9-29 January 2025	Dr. R.L. Verma, Dr. S. Samantaray, Dr. J.L. Katara, Dr. Devanna, Dr. Parameswaran C	ICAR	24
Training cum Demonstration on CRRRI biofertilizer model	28 January 2025	Dr. Upendra Kumar, Dr. P Panneerselvam, Dr. AK Mukherjee	Department of Agriculture & Farmers Empowerment (DAFE), Govt. of Odisha under (Jaiva-poshak) project	70
Training cum Demonstration on CRRRI biofertilizer model	31 January 2025	Dr. Upendra Kumar, Dr. Annie Poonam, Dr. Dibyendu Chatterjee	Department of Agriculture & Farmers Empowerment (DAFE), Govt. of Odisha under (Jaiva-poshak) project	78
Training cum Demonstration on CRRRI biofertilizer model	4 February 2025	Dr. Upendra Kumar, Dr. Sudipta Paul	Department of Agriculture & Farmers Empowerment (DAFE), Govt. of Odisha under (Jaiva-poshak) project	105
Packaging Technology	5-6 February 2025	Dr. R.K. Mohanta and KVK Team	KVK, Cuttack in association with Indian Institute of Packaging and Department of Agriculture and Food Production	30
Training cum Demonstration on CRRRI biofertilizer model	6 February 2025	Dr. Upendra Kumar, Dr. Dibyendu Chatterjee	Department of Agriculture & Farmers Empowerment (DAFE), Govt. of Odisha under (Jaiva-poshak) project	72
An awareness-cum-training programme on 'Safe and Judicious Usage of Pesticides'	10 February 2025	Dr. Rajan Kamboj	KVK, Cuttack	150
Training cum Demonstration on CRRRI biofertilizer model	11 February 2025	Dr. Upendra Kumar, Dr. B. Mondal	Department of Agriculture & Farmers Empowerment (DAFE), Govt. of Odisha under (Jaiva-poshak) project	75
Production technique of vermicompost from spent mushroom substrate	11 February 2025	Dr. Chanchila Kumari	KVK, Koderma	25
Training cum Demonstration on CRRRI biofertilizer model	12 February 2025	Dr. Upendra Kumar, Dr. B. Mondal	Department of Agriculture & Farmers Empowerment (DAFE), Govt. of Odisha under (Jaiva-poshak) project	100
Balance diet made from locally available materials for Anganwadi children	12 February 2025	Dr. Chanchila Kumari	KVK, Koderma	25
Trimming and pruning of orchards	12 February 2025	Dr. Rupesh Ranjan	KVK, Koderma	25
Management of malnutrition among children and their diets	13 February 2025	Dr. Chanchila Kumari	KVK, Koderma	25
Training in Pest in Brinjal Crop	13 February 2025	Dr. Nupur Choudhary	KVK, Koderma	25
Selection of technology for farm woman	14 February 2025	Mr. Vinay Kumar	KVK, Koderma	25
Training on Role of trap in IPM	14 February 2025	Dr. Nupur Choudhary	KVK, Koderma	25
Protected cultivation of vegetables	17 February 2025	Dr. T.R. Sahoo	KVK, Cuttack	25
Around the year mushroom production for more income generation	17-21 February 2025	Dr. Chanchila Kumari	KVK, Koderma	25
Multipurpose trees and shrubs (MPTS) in agroforestry	17 February 2025	Dr. Rupesh Ranjan	KVK, Koderma	25



Integrated Pest Management in Rice	18 February 2025	Dr. Rajan Kamboj	KVK, Koderma	25
Training cum Demonstration on CRRRI biofertilizer model	18 February 2025	Dr. Upendra Kumar, Dr. Dilip Sarangi	Department of Agriculture & Farmers Empowerment (DAFE), Govt. of Odisha under (Jaiva-poshak) project	93
Training cum Demonstration on CRRRI biofertilizer model	19 February 2025	Dr. Upendra Kumar	Department of Agriculture & Farmers Empowerment (DAFE), Govt. of Odisha under (Jaiva-poshak) project	81
Basic techniques of pesticide formulations in Agroforestry	19 February 2025	Dr. Bhoopendra Singh	KVK, Koderma	25
Care and Management of Broccoli	19 February 2025	Dr. Rupesh Ranjan	KVK, Koderma	25
Commercial Production of Vermicompost	20 February 2025	Dr. B. Mondal	Farmer FIRST Programme	45
Scientific methods of sheep and goat rearing	20 February 2025	Dr. R.K. Mohanta	KVK, Cuttack	25
Early Nursery Raising Technology	20 February 2025	Dr. Chanchila Kumari, Dr. Bhoopendra Singh, Ms Nupur Choudhary	the Rashtriya Krishi Vikas Yojana (RKVY) Project (EAP-439)	112
How to use the mobile app developed by ICAR	20 February 2025	Mr. Vinay Kumar	KVK, Koderma	25
Training cum Demonstration on CRRRI biofertilizer model	24 February 2025	Dr. Upendra Kumar, Dr. P Panneerselvam, Dr. AK Mukherjee	Department of Agriculture & Farmers Empowerment (DAFE), Govt. of Odisha under (Jaiva-poshak) project	95
Training cum Demonstration on CRRRI biofertilizer model	25 February 2025	Dr. Upendra Kumar, Dr. P Panneerselvam, Dr. AK Mukherjee	Department of Agriculture & Farmers Empowerment (DAFE), Govt. of Odisha under (Jaiva-poshak) project	72
Scientific citification of okra	25 February 2025	Dr. Bhoopendra Singh	KVK, Koderma	25
Plantation and its Management techniques of commercially important tree species	25 February 2025	Dr. Rupesh Ranjan	KVK, Koderma	25
Early nursery rising technology of vegetable crop	28 February 2025	Dr. Bhoopendra Singh	KVK, Koderma	25
Training on Importance pest and Disease of Cowpea and their management through integrated approach	4 March 2025	Ms Nupur Choudhary	KVK, Koderma	25
Production of high value vegetable crops	4 March 2025	Dr. Bhoopendra Singh	KVK, Koderma	25
Scientific cultivation of early cucurbits	7 March 2025	Dr. Bhoopendra Singh	KVK, Koderma	25
Scientific methods of sheep and goat rearing	8 March 2025	Dr. R.K. Mohanta	KVK, Cuttack	25
Real time N Management Using riceNxpert an Android app	5 March 2025	Dr. Sangita Mohanty, Dr. P.C. Jena	E-CHASI	56
Microbial formulations for enhancing nutrient use efficiency in rice	11 March 2025	Dr. P.C. Jena	E-CHASI	150
paddy straw mushroom and its value addition	13 March 2025	Dr. B. Mondal	Farmer FIRST Programme	70
Microbial formulations for enhancing nutrient use efficiency in rice	17 March 2025	Dr. Upendra Kumar	E-CHASI	120
Agroecological Intensification for Enhancing Resilience of Small Holders	18 March 2025	Dr. Sangita Mohanty, Dr. Raghu S, Dr. B.S. Satapathy from IIWM	E-CHASI	106
Engineered Biochar Complex for Decontamination of Phosphate and Glyphosate in Water	18 March 2025	Dr. Sushmita Munda and Dr. Rubina Khanam	under the Scientific Social Responsibility initiative of the SERB-funded project	14



Paddy Production Technologies Adapted to Changing Climate	18-20 March 2025	Dr. N.N. Jambhulkar	NABARD, Mallarpur, Birbhum, West Bengal	25
Scientific methods of sheep and goat rearing	22 March 2025	Dr. R.K. Mohanta	KVK, Cuttack	25
Motivation and Communication skills for SHG women	22 March 2025	Ms. B. Mounika	KVK, Cuttack	25
Nutritional Management in Mango and Banana	22 March 2025	Dr. T.R. Sahoo	KVK, Cuttack	25
Parasitic infestations and their management in livestock	23 March 2025	Dr. R.K. Mohanta	KVK, Cuttack	25
Technology dissemination through ICT tools	23 March 2025	Ms. B. Mounika	KVK, Cuttack	25
Motivation and Communication skills for SHG women	24 March 2025	Ms. B. Mounika	KVK, Cuttack	25
Parasitic infestations and their management in livestock	24 March 2025	Dr. R.K. Mohanta	KVK, Cuttack	25
Integrated Farming System	24 March 2025	Dr. Bhoopendra Singh, Dr. Chanchila Kumari, Ms Nupur Choudhary	Rashtriya Krishi Vikas Yojana (RKVY) (EAP-348)	220
Technology dissemination through ICT tools	25 March 2025	Ms. B. Mounika	KVK, Cuttack	25
Clean milk production	25 March 2025	Dr. R.K. Mohanta	KVK, Cuttack	25
Integrated Pest Management in Brinjal	25 March 2025	Dr. Rajan Kamboj	KVK, Cuttack	25
Export Potential Flower: Gerbera Cultivation	26 March 2025	Dr. T.R. Sahoo	KVK, Cuttack	25
Clean milk production	26 March 2025	Dr. R.K. Mohanta	KVK, Cuttack	25
Integrated Pest Management in Brinjal	26 March 2025	Dr. Rajan Kamboj	KVK, Cuttack	25
Agroecological Intensification for Enhancing Resilience of Small Holders	25-26 March 2025	Dr. Sangita Mohanty, Dr. Anjani Kumar, Dr. Raghu S and Dr. B.S. Satapathy from IIWM	E-CHASI	150
Rice Processing and Value Addition	26-28 March 2025	Dr. M. Sivashankari	Head, District Implementation Unit, SMART, Chandrapur, Maharashtra, and Rural Access Private Limited	25
Export Potential Flower: Gerbera Cultivation	27 March 2025	Dr. T.R. Sahoo	KVK, Cuttack	25
Integrated Pest Management on Brinjal	27 March 2025	Dr. Rajan Kamboj	KVK, Cuttack	25
Sustainable Pest Control in Okra	28 March 2025	Dr. Rajan Kamboj	KVK, Cuttack	25
New Agro Techniques in Vegetable Production	17-21 March 2025	Dr. T.R. Sahoo	KVK, Cuttack	25

प्रदर्शनी

भाकृअनुप-केन्द्रीय चावल अनुसंधान संस्थान ने इस अवधि के दौरान विभिन्न कृषि प्रदर्शनियों में सक्रिय रूप से भाग लिया और किसानों और हितधारकों को लाभान्वित करने के लिए उन्नत चावल उत्पादन प्रौद्योगिकियों और नवाचारों का प्रदर्शन किया।

1. ओयूएटी भुवनेश्वर में 17-19 जनवरी 2025 के दौरान खाद्य सुरक्षा और पोषण के लिए कृषि पर आयोजित 7वां अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन-2025 में सीआरआरआई ने भाग लिया।
2. आईसीएआर-सीआईएफए, भुवनेश्वर में 29 जनवरी 2025 को "वैज्ञानिक जलीय कृषि" पर किसान मेला सह प्रदर्शनी आयोजन में सीआरआरआई ने भाग लिया।

Participation in Exhibition

ICAR-Central Rice Research Institute (CRRI) actively participated in various agricultural exhibitions during the period, showcasing advanced rice production technologies and innovations to benefit farmers and stakeholders.

1. 7th International conference on Agriculture for food security and nutrition-2025, at OUAT Bhubaneswar during 17-19 January 2025.
2. Kisan mela cum Exhibition on "Scientific Aquaculture" ICAR-CIFA, Bhubaneswar on 29 January 2025.

3. ओयूएटी, भुवनेश्वर में 18-19 फरवरी 2025 को आयोजित ओयूएटी किसान मेला 2025 में सीआरआरआई ने भाग लिया।
4. भाकृअनुप-सीआरआरआई, कटक में 27 फरवरी से 1 मार्च 2025 के दौरान क्षेत्रीय कृषि मेला 2025 आयोजित किया गया।
5. 5-7 मार्च 2025 के दौरान आईसीएआर-सीआरआरआई द्वारा गजपति जिले के रायगढ़ में किसान मेला सह प्रदर्शनी आयोजित की गई।
6. भाकृअनुप-सीआईडब्ल्यूए, भुवनेश्वर में 8-10 मार्च 2025 के दौरान वैश्विक सम्मेलन आयोजित की गई।
7. आईसीएआर-सीआईएफए, भुवनेश्वर में 25 मार्च 2025 को आयोजित पीपीवीएफआरए पर कार्यशाला सह जागरूकता कार्यक्रम और प्रदर्शनी में सीआरआरआई ने भाग लिया।

3. OUAT Farmer's Fair 2025, held at OUAT, Bhubaneswar, on 18-19 February 2025.
4. Regional agricultural Fair 2025, at ICAR-CRRI, Cuttack during 27 February to 1 March 2025.
5. Kishan mela Cum Exhibition at Raigad, Gajapati District, organized by ICAR-CRRI during 5-7 March 2025.
6. Global conference at ICAR-CIWA, Bhubaneswar during 8-10 March 2025.
7. Workshop cum awareness programme and exhibition on PPVFRA at ICAR-CIFA, Bhubaneswar on 25 March 2025.

आगंतुक

वर्ष 2025 के जनवरी-मार्च की अवधि के दौरान भारत के विभिन्न राज्यों जैसे ओडिशा, पश्चिम बंगाल, असम, झारखंड, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, अरुणाचल प्रदेश, आंध्र प्रदेश और बिहार से किसानों, महिला किसानों, विद्यार्थियों और कृषि अधिकारियों सहित कुल 882 आगंतुकों ने संस्थान का दौरा किया। उन्हें कृषि सलाहकार सेवा प्रणाली से अवगत कराया गया।

Altogether 882 visitors comprising of farmers, farmwomen, students and Agriculture Officers from different states of India viz., Odisha, West Bengal, Assam, Jharkhand, Chhattisgarh, Karnataka, Arunachal Pradesh, Andhra Pradesh and Bihar visited the institute during the period of January-March' 2025. They were exposed to agro advisory services system of the institute during their visit.

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

भाकृअनुप-केंद्रीय चावल अनुसंधान संस्थान (सीआरआरआई), कटक, ओडिशा ने कृषि अनुसंधान, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और क्षमता निर्माण में सहयोग को बढ़ावा देने के लिए इस अवधि के दौरान कई समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए।

ICAR-Central Rice Research Institute (CRRI), Cuttack, Odisha, signed several Memorandums of Understanding (MoUs) during the period to foster collaborations in agricultural research, technology transfer, and capacity building.

Visitors

MoUs Signed

Name of the Technology	Name of the Institute/Company	Date of MoU
MoU for Environment friendly non-toxic methanotroph formulation for mitigation of methane emission in rice	M/s RM Agrico Private Limited, Salt Lake, Kolkata	28 January 2025
MoU for Inbred Variety (Improved Lalat)	M/s Trifac Agro Pvt. Ltd, Assam	5 February 2025
MOA for production and supply of quality Pheromone Traps and Lures	M/s PCI Pest Control Private Limited, Odisha	14 February 2025
MOA for production and supply of quality Pheromone Traps and Lures	M/s Ultima Search, Maharashtra	14 February 2025
MOA for production and supply of quality Pheromone Traps and Lures	M/s Fine Trap India, Maharashtra	18 February 2025
MoU for Collaboration to foster academic and research collaboration	Indian Institute of Technology (IIT), Angul, Bhubaneswar	21 February 2025
MoU for Collaboration to foster academic and research collaboration	Kalinga Institute of Industrial Technology (KIIT) University, Bhubaneswar	28 February 2025
MoU for Collaboration to foster academic and research collaboration	Bhubaneswar City Knowledge Innovation Cluster Foundation (BCKIC), Bhubaneswar	28 February 2025

RESEARCH NOTE

Development of Adenine Base Editor for Targeting AT-Rich Genomic Region in Plant using dCas12a

Adenine Base Editors (ABEs) can make precise A-to-G base alterations in the genome. The most widely used SpCas9 requires an NGG PAM sequence to target a locus, while Cas12a proteins require T-rich PAM TTTV. Expanding the target range has always been one of the main research areas to improve base editors. To target a region rich in AT base pairs, we need to harness Cas12a. We developed adenine base editing vectors with a deactivated Cas12a (dCas12a) for targeting AT-rich genomic regions. We have constructed three different versions of vectors: dCas12a-ABE8e-v1, dCas12a-ABE8e-v2 and dCas12a-ABE8e-v3. We have initially selected four genes i.e.: *OsNAL*, *OsPDS*, *OsALS* and *OsEPSPS* to test their efficiency. Specific vectors with target gRNAs were transfected to protoplast to check the editing performance. Deep sequencing data were analyzed to compare the efficiency of the three versions of base editors. The result shown in Fig.1A was for the vector dCas12a-ABE8e-v1 with *OsEPSPS* guide. Base changes from A>G within the editing window were observed with 0.23% percentage (Fig1A). Similarly, the result shown in Fig.1B was for the vector dCas12a-ABE8e-v2, showing A>G conversion (0.22% of total reads) within the editing window. Interestingly, the dCas12a-ABE8e-v3 vector exhibited superior efficiency to the earlier two versions. dCas12a-ABE8e-v3 showed A>G editing efficiency up to 1.83%, which is an ~8 fold increase over the dCas12a-ABE8e-v1 and dCas12a-ABE8e-v2 (Figure 1C). It is also noteworthy that v3 was able to convert all three As present in the activity window, while the other two versions converted only the first A (Fig 1C).

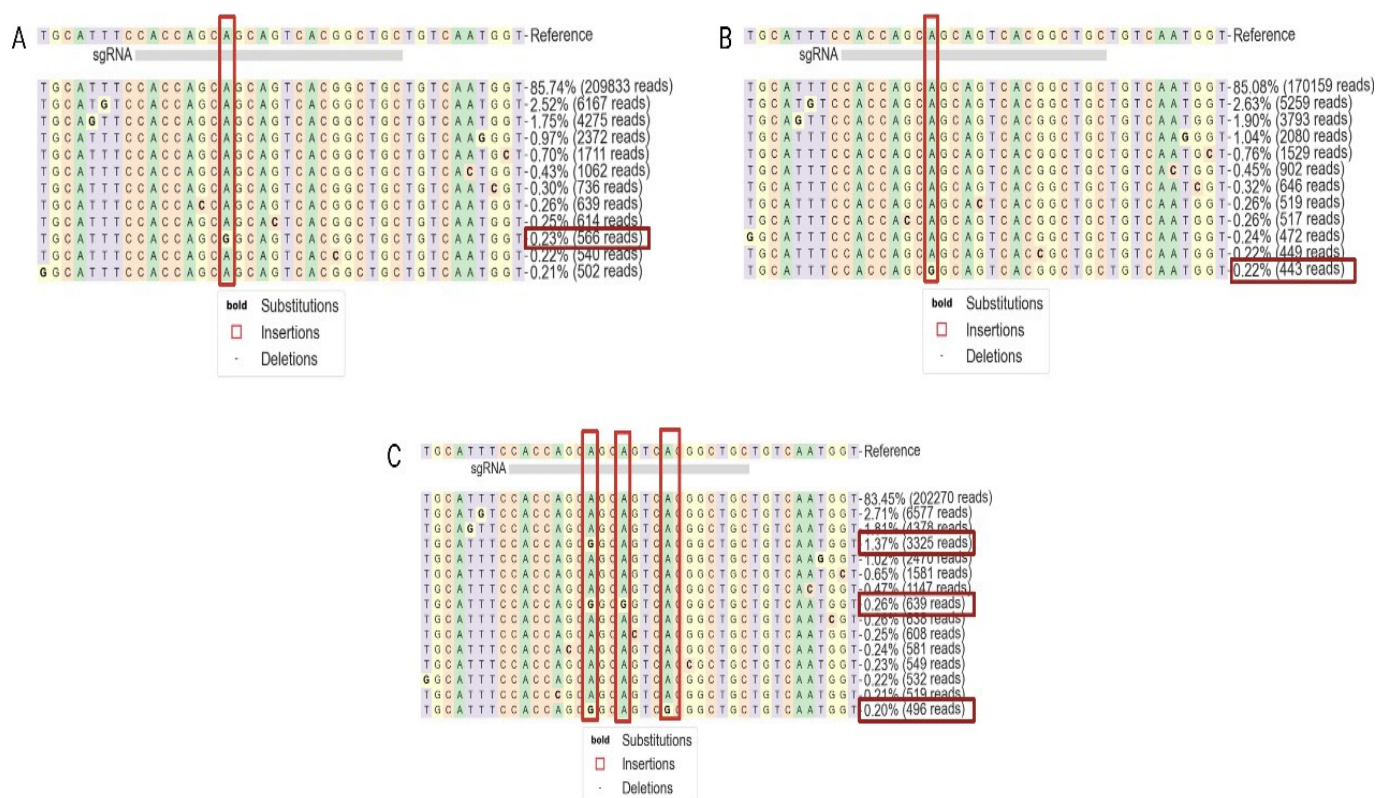


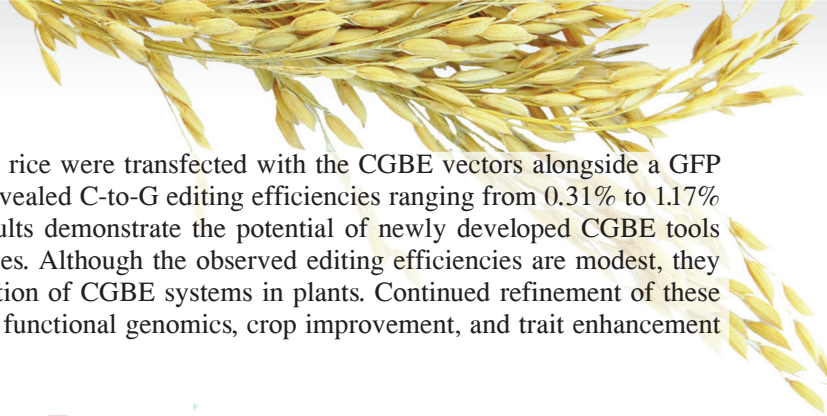
Figure 1: Deep Sequencing data showing targeted A-to-G modifications for target *OsEPSPS* with different vectors.

Priya Das, Debasmita Panda, Kutubuddin A. Molla, Mirza J Baig
ICAR- Central Rice Research Institute, Cuttack, Odisha

Development and comparison of three C-to-G base editors (CGBEs) in rice

Base editing is a widely used genome editing tool that can precisely change any nucleotide in the specific locus without creating double-strand breaks. Recently, a novel class of base editors known as C-to-G base editors (CGBEs) has been developed. CGBEs exhibit highly target-dependent editing efficiencies and tend to operate within a narrow editing window, with optimal activity centered around the cytosine at position six (C6) in the protospacer sequence. We have developed three versions of CGBEs using three different deaminase rAPOBEC1 (R33A) (CGBE1), PmCDA1 (CGBE2) and TadCBE (CGBE3) to use in rice (Figure-1A). To evaluate the efficiency of these CGBE constructs, we targeted three rice genes:

rice were transfected with the CGBE vectors alongside a GFP revealed C-to-G editing efficiencies ranging from 0.31% to 1.17%. These results demonstrate the potential of newly developed CGBE tools for genome editing in rice. Although the observed editing efficiencies are modest, they represent a significant step forward in the application of CGBE systems in plants. Continued refinement of these tools will be essential for their use in functional genomics, crop improvement, and trait enhancement.

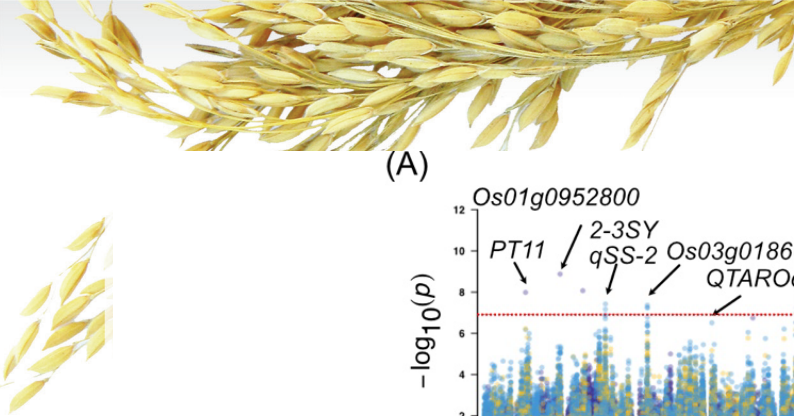


rice were transfected with the CGBE vectors alongside a GFP revealed C-to-G editing efficiencies ranging from 0.31% to 1.17%. These results demonstrate the potential of newly developed CGBE tools for genome editing in rice. Although the observed editing efficiencies are modest, they represent a significant step forward in the application of CGBE systems in plants. Continued refinement of these tools will be essential for their use in functional genomics, crop improvement, and trait enhancement.

rice were transfected with the CGBE vectors alongside a GFP revealed C-to-G editing efficiencies ranging from 0.31% to 1.17%. These results demonstrate the potential of newly developed CGBE tools for genome editing in rice. Although the observed editing efficiencies are modest, they represent a significant step forward in the application of CGBE systems in plants. Continued refinement of these tools will be essential for their use in functional genomics, crop improvement, and trait enhancement.

rice were transfected with the CGBE vectors alongside a GFP revealed C-to-G editing efficiencies ranging from 0.31% to 1.17%. These results demonstrate the potential of newly developed CGBE tools for genome editing in rice. Although the observed editing efficiencies are modest, they represent a significant step forward in the application of CGBE systems in plants. Continued refinement of these tools will be essential for their use in functional genomics, crop improvement, and trait enhancement.

rice were transfected with the CGBE vectors alongside a GFP revealed C-to-G editing efficiencies ranging from 0.31% to 1.17%. These results demonstrate the potential of newly developed CGBE tools for genome editing in rice. Although the observed editing efficiencies are modest, they represent a significant step forward in the application of CGBE systems in plants. Continued refinement of these tools will be essential for their use in functional genomics, crop improvement, and trait enhancement.



*Aiswarya VS¹, Puranjoy Sar¹, Bibhash Chandra Verma¹, Debarati Bhaduri², Koushik Chakraborty³,
Amrita Banerjee¹, Jitendra Kumar¹, Nimai Prasad Mandal¹, Somnath Roy^{1*}*

²Crop Production Division, ICAR- Central Rice Research Institute, Cuttack, Odisha

*sroypr@gmail.com

सम्मेलन/ परिसंवाद/ कार्यशाला/ शीतकालीन पाठ्यक्रम/ प्रदर्शनी/ प्रशिक्षण कार्यक्रमों/ बैठकों में प्रतिभागिता
Seminar/ Symposia/ Workshop/ Winter School/ Exhibition/ Training Programmes/ Meetings attended

Sl. No.	Particulars	Date	Participants
1.	A meeting as Chief Liaison Officer with Parliament Committee on Welfare of OBC at Mayfair, Bhubaneswar	16 January 2025	Dr. A.K. Nayak
2.	National Conference on Emerging Issues and Sustainable Strategies in Plant Health Management: A Global Perspective organized by IPS, New Delhi at Nagpur, Maharashtra	19-21 January 2025	Dr. S. Bhagat, Dr. Amrita Banerjee
3.	Training programme on Integrated Farming System at KVK, Ramgarh delivered a talk on "Importance of integrated farming system for resource poor farmers"	22 January 2025	Dr. S.M. Prasad
4.	Quarterly project committee meeting on "Dragon Fruit Farming" for ST Farmers at Patalasigda village organized by Socio Economic Development Association & NABARD	24 January 2025	Dr. R.K. Mohanta
5.	Training programme on Integrated Farming System at KVK, Ramgarh and delivered a talk on "Direct Seeded Rice (DSR) for Climate Change Mitigation"	28 January 2025	Dr. N.P. Mandal
6.	Training programme on Integrated Farming System at KVK, Ramgarh and delivered a talk on "Importance of integrated farming system for resource poor farmers"	28 January 2025	Dr. S.M. Prasad
7.	A meeting with the officials of FAO World Bank funded projects at New Delhi	29 January 2025	Dr. A.K. Nayak
8.	Training programme on Integrated Farming System at KVK, Ramgarh and delivered a lecture on Varietal description of different crops taken under rice-based cropping system	29 January 2025	Dr. Priyamedha
9.	Agrotech Kisan Mela at BAU Ranchi	9 February 2025	Dr. N.P. Mandal, Dr. B.C. Verma, Dr. Soumya Saha, Dr. Jitendra Kumar, Mr. Jitendra Prasad
10.	Workshop on 'Extension Approaches for Climate Resilient Dairy Farming' in the session on 'Expert Validation of Climate Resilient Dairy farm school Module' at ICAR-National Dairy Research Institute, Karnal	12 February 2025	Ms. B. Mounika
11.	A workshop on "Empowering Odisha: Addressing Malnutrition and Enhancing Livelihood through Biofortified crops" organized by Harvest Plus, ICRISAT at Hotel LYFE, Bhubaneswar	19 February 2025	Dr. R.K. Mohanta and Ms. B. Mounika
12.	Kisan Mela cum Agricultural Exhibition 2025, ICAR-NISA, Namkum, Ranchi	20 February 2025	Dr. S. Bhagat, Dr. Soumya Saha, Dr. Jitendra Kumar, Mr. Sarfaraz Akhtar
13.	A 7-day online training programme on "Innovation and Sustainable Solutions in Agriculture: Advancing Practices, Technologies and Rural Empowerment" organized by the Society for the Advancement of Agricultural, Horticultural and Allied Science, Kurukshetra, Haryana	17-23 February 2025	Dr. R. Kamboj
14.	Workshop on "Achieving Land Degradation Neutrality (LDN) in Jharkhand: A Comprehensive Roadmap" organized by ICFRE-Institute of Forest Productivity, Ranchi	20-21 February, 2025	Dr. B.C. Verma
15.	Regional Alumni Meet-2025 as Guest of Honour in College of Horticulture, Chiplima, OUAT at Sambalpur	2 March 2025	Dr. A.K. Nayak
16.	A meeting Thematic Track with the Norwegian Institute of Bioeconomy Research (NIBIO) on Building A Global AgriStack: Boosting climate resilient agriculture and food security through digital public goods and infrastructure at Amaltas Hall, India Habitat Centre, New Delhi	5 March 2025	Dr. A.K. Nayak
17.	Kisan Sammridhi Mela at ICAR RCER- Farming System Research Centre for Hill and Plateau region, Pandu, Ranchi	19 March 2025	Dr. N.P. Mandal
18.	Farmers Seminar on Rural Entrepreneurship Development for Scheduled Tribe (ST) Farmers in Agriculture & Livestock Sector" organized by KVK, Ramgarh and delivered lecture on Entrepreneurship Opportunities in vermicompost, Soil testing, biofertilizer and biochar production	20 March 2025	Dr. N.P. Mandal, Dr. S.M. Prasad, Dr. B.C. Verma
19.	A three-day online collaborative training programme on "Urban Horticulture – A Path of Healthy Urban Lifestyle" organized by the National Institute of Agricultural Extension Management (MANAGE), Hyderabad in collaboration with PJTSAU, Aswaraopet, B. Kothagudem, Telangana	24-26 March 2025	Dr. R. Kamboj

पुरस्कार

डॉ. संघमित्रा सामंतराय को प्रतिष्ठित सामंत चंद्र शेखर पुरस्कार 2023 से सम्मानित

केंद्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, कटक के फसल उन्नयन प्रभाग के अध्यक्ष एवं प्रधान वैज्ञानिक डॉ. संघमित्रा सामंतराय को ओडिशा सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के ओडिशा विज्ञान अकादमी द्वारा जीवन विज्ञान की श्रेणी में 2023 के लिए प्रतिष्ठित सामंत चंद्रशेखर पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। ओडिशा के माननीय मुख्यमंत्री श्री मोहन चरण माझी द्वारा 28 मार्च, 2025 को लोक सेवा भवन कन्वेंशन हॉल, भुवनेश्वर में श्री कृष्ण चंद्र पात्र, माननीय मंत्री, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, श्रीमती चित्रा अरुमुगम, आईएस, प्रमुख सचिव, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग और श्रीमती अनु गर्ग, आईएस, विकास आयुक्त और अतिरिक्त मुख्य सचिव की उपस्थिति में यह पुरस्कार प्रदान किया गया। यह सम्मान कृषि अनुसंधान और चावल जैव प्रौद्योगिकी में डॉ. सामंतराय के उत्कृष्ट योगदान को दर्शाता है। उनके उल्लेखनीय अनुसंधान कार्यों में परागकोष संवर्धन के माध्यम से चावल में एल्बिनो-मुक्त प्ररोह पुनर्जनन के लिए एक विधि का विकास शामिल है, जिससे चावल प्रजनन कार्यक्रमों, मात्रात्मक विशेषता लोकस (क्व्यूटीएल) मानचित्रण और बहुल विशेषता अंतर्ग्रहण को गति मिली है। इसके अतिरिक्त, उन्होंने पोषक तत्वों से भरपूर चावल की किस्मों और चावल संकरों के विकास में योगदान दिया है।

कृषि विज्ञान केंद्र, भाकृअनुप-केंद्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, कटक के प्रगतिशील किसान श्री चैतन्य मुदुली ने 26-27 जनवरी, 2025 को भारत की महामहिम राष्ट्रपति द्वारा आमंत्रित गणतंत्र दिवस 2025 पर राष्ट्रपति भवन में आयोजित “एट होम” स्वागत समारोह में ‘प्रख्यात कृषक’ के रूप में भाग लिया।

रेडियो वार्ता

डॉ. आर के महांता ने 19 जनवरी 2025 को आकाशवाणी कटक द्वारा कृषि शिक्षा कार्यक्रम में शाम 7.30 बजे प्रसारित “व्यावसायिक सफेद सूअर पालन” पर एक रेडियो वार्ता दिया।

Award

Dr. Sanghamitra Samantaray Honored with Prestigious Samanta Chandra Sekhar Award 2023

Dr. Sanghamitra Samantaray, Principal Scientist and Head of the Crop Improvement Division at ICAR-Central Rice Research Institute, Cuttack, has been honored with the prestigious Samanta Chandra Sekhar Award for 2023 in the category of Life Science by the Odisha Bigyan Academy, Science & Technology Department, Government of Odisha. The award was presented at Lok Seva Bhawan Convention Hall, Bhubaneswar, on 28 March 2025, by Hon'ble Chief Minister of Odisha Shri Mohan Charan Majhi in the presence of Shri Krushna Chandra Patra, Hon'ble Minister, Science & Technology Department; Smt.

Chithra Arumugam, IAS, Principal Secretary, Science & Technology Department; and Smt. Anu Garg, IAS, Development Commissioner and Additional Chief Secretary. This recognition highlights Dr. Samantaray's outstanding contributions to agricultural research and rice biotechnology. Her notable innovations include the development of a method for albino-free shoot regeneration in rice through anther culture, which has accelerated rice breeding programs, quantitative trait locus (QTL) mapping, and multiple trait introgression. Additionally, she has contributed to the development of nutri-dense rice varieties and rice hybrids.

Shri Chaitanya Muduli, a progressive farmer of Krishi Vigyan Kendra, ICAR-Central Rice Research Institute, Cuttack attended the “At Home” Reception at Rashtrapati Bhawan as an ‘Eminent Agriculturist’ on Republic Day 2025 being invited by Her Excellency, the President of India on January 26-27, 2025.

Radio Talks

Dr. R.K. Mohanta delivered a talk on the ‘Byabasayika vittire dhala ghusuri palana (Commercial White Pig Farming)’ in Krushi Sikshya program of All India Radio Cuttack broadcasted at 7.30 PM on January 19, 2025.

Publication

Research Article

Bharath CVS, Raghuprasad KP, Mounika B, Prem KB, Gunashree GN and Sampreetha HN. 2025. Constraints faced by dairy farmers of Andhra Pradesh in using ICT tools. *Journal of Scientific Research and Reports* 31(2): 161-165.

Bharath CVS, Raghuprasad KP, Shivalingaiah YN, Mounika B, Sampreetha HN. 2025. Relationship between socio-

economic profile and knowledge level of dairy farmers on ICT tools in Andhra. *Mysore Journal of Agricultural Science*, 59 (1): 37-46.

Kamboj R, Jaglan MS, Yadav SS and Rathee M. 2025. Seasonal abundance of planthoppers and natural enemies: correlation with weather parameters under direct seeded and transplanted basmati rice. *Cereal Research Communications* 53: 517-537.

Kumari, C., Sinha, J., Choudhary, N., & Raypa, P. (2024). Synergistic impact of compost-amended biofertilizers in enhancing yield and quality of *Agaricus bisporus* mushroom. *Archives of Current Research International*, 27(11), 454–466.

Kumari, C., Sinha, J., Ghosh, D., & Rai, A. K. (2024). The extent of participation and empowerment of rural women in lac cultivation in Koderma district of Jharkhand, India. *[Journal Name Missing]*, 24(11), 210–225.

Kumari, C., Sinha, J., Kumar, M., Ghosh, D., & Modi, R. (2024). Nutri-gardens for sustainable food security: Enhancing nutrition at the grassroots level. *[Journal Name Missing]*, [volume and issue not provided], 1070–1080.

Kumari, C., Sinha, J., Singh, B., Rai, A. K., & Raypa, P. (2024). Comparative identification of suitable vegetable nursery management technique for enhancing SHGs income of Koderma. *International Journal of Agriculture Extension and Social Development*, 7, 408–416.

Kumari, C., Sinha, J., Srivastava, A. K., & Rai, A. K. (2024). Advances in value addition in jackfruit bulb (*Artocarpus heterophyllus* Lam.) for food and nutritional security of rural women in Koderma district, Jharkhand, India. *European Journal of Nutrition & Food Safety*, 30(11), 433–450.

Rai, A. K., Singh, B., Lata, K., & Kumari, C. (2024). The technological impact of production and farmers' income of vegetable pigeon pea growers under the rainfed situation in Panchmahal of Gujarat. *International Journal of Agriculture Extension and Social Development*, 7, 190–193.

Rai, A. K., Singh, B., Lata, K., & Kumari, C. (2025). Enhancing farmers' income by cultivating summer green gram in Panchmahal District of Gujarat. *Journal of Community Mobilization and Sustainable Development*, 20(1), 1–5.

Singh, B., Kumar, M., Rai, A. K., Prasad, S. M., Kumari, C., & Ranjan, R. (2024). Effect of mulching materials on weed incidence, yield and economics of brinjal (*Solanum melongena*) in Koderma district of Chhota Nagpur Plateau of Jharkhand. *Journal of Community Mobilization and Sustainable Development*, 19(4), October–December, 1071–1075.

Singh, B., Rai, A. K., Kumar, M., Kumar, V., & Ranjan, R. (2025). Impact of Cluster Frontline Demonstrations (CFLD) pulses on yield enhancement of pigeonpea (*Cajanus cajan* L.) in rainfed condition of Koderma district in Jharkhand. *Journal of Community Mobilization and Sustainable Development*, 20(1), January–March, [page range not provided].

Singh, B., Rai, A. K., Kumari, C., Kumar, M., & Kumar, V. (2024). Assessment of integrated nutrient management on growth, yield and economics of broccoli (*Brassica oleracea* var. *italica*) cv. Green Star. *International Journal of Agriculture Extension and Social Development*, 7(11), 203–206.

Sinha, J., Kumari, C., Srivastava, A. K., & Choudhary, N. (2024). Empowering rural women through nutrition education: Enhancing dietary quality with mushroom-enriched foods and participation in local mushroom production. *International Journal of Agriculture Extension and Social Development*, 46, 76–94.

Sinha, J., Kumari, C., Srivastava, A. K., Kumar, M., & Singh, B. (2024). Ragi revolution: Enhancing dietary practices through nutritional education and local food systems implementation. *Journal of Community Mobilization and Sustainable Development*, 16, 92–106.

Technical Bulletin

S.K. Dash, R.P. Sah, M. Chakraborty, K. Chattopadhyay, R.L. Verma, M.K. Kar, S. Munda, L. Behera, S. Sarkar, J. Meher, K. Chakraborty, Reshmi Raj KR, P. Sanghamitra, N. Mondal, L.K. Bose, Prabhukarthikeyan S.R., GP Pandi, B. Mondal, S.D. Mohapatra, P. Samal, S. Samantaray, S.K. Pradhan and AK Nayak. 2025. Non-Basmati Rice Varietal Pipelines: Concept to Product. CRRI Research Bulletin No. 57.

Lambodar Behera, M.K. Kar, K. Chattopadhyay, R.P. Sah, Guru Pirasanna Pandi G., Mridul Chakraborti, S.K. Dash, J. Meher, Parameswaran C., P. Sanghamitra, A. Anandan, Md. Azharudheen TP, Anilkumar C, Somnath Roy, Devanna B.N., T.B. Bagchi, L.K. Bose, Koushik Chakraborty, A.K. Mukherjee, Raghu S, N.K.B. Patil, Basana Gowda G., S.K. Pradhan, Sanghamitra Samantaray and A.K. Nayak. 2025. QTLs, molecular markers, and associated prospective candidate genes identified by CRRI for rice improvement: A journey from discovery to deployment - CRRI Research Bulletin No. 58.

Sanghamitra Samantaray, M.J. Baig, K.A. Molla, Parameswaran C., Devanna B.N., and A.K. Nayak. 2025. Catalogue of Genome Editing Vectors for Rice Breeding: CRRI –CRRI Research Bulletin No. 59.

P. Bhattacharyya, S.P. Parida, S.R. Padhy, S.K. Nayak, M. Rath, A. Nayak, D. Barik, J.K. Sahu, G. Mandi, P. Panneerselvam, A.K. Nayak. 2025. *Ecofriendly Technology for In-situ and Ex-situ Rice Straw Decomposition through Lignin-Degrading-Solid-Microbial Formulation* (CR-Composter). CRRI Technology Bulletin No. 232.

P. Bhattacharyya, S.P. Parida, S.R. Padhy, S.K. Nayak, J.K. Sahu, A. Das, T. Adak, A.K. Nayak. 2025. *Green Technology for Rice-Straw-Pulp-Appliance (RSPA)* (Patented Technology of Environment Friendly Microbial Mediated Method of Rice Straw Pulp Preparation and Uses Thereof) CRRI Technology Bulletin No. 233.

सोमेश्वर भगत, अरुणकुमारा सी जी, अमृता बनर्जी, शिवमंगलप्रसाद, सौम्य साहा, बिभाष चन्द्रवर्मा, प्रियमेधा, सोमनाथ रॉय एवं निमाईप्रसाद मंडल (2025), **धान की प्रमुख बीमारियाँ, कीट एवं उनके प्रबंधन**। CRRI तकनीकी बुलेटिन सं. 234, केन्द्रीय वर्षाश्रित उपराऊँ भूमि चावल अनुसंधान केन्द्र, (भा.कृ.अनु.प.-केन्द्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, कटक), हजारीबाग – 825301, झारखण्ड, भारत।

शिवमंगलप्रसाद, बिभाष चन्द्रवर्मा, सौम्य साहा, प्रियमेधा, सोमेश्वर भगत, अरुणकुमारा सी जी, अमृता बनर्जी, सोमनाथ रॉय एवं निमाईप्रसाद मंडल (2025), धान की परती भूमि में दलहन एवं तिलहन फसलों की वैज्ञानिक खेती। CRRI तकनीकी बुलेटिनसं. 235, केन्द्रीय वर्षाश्रित उपराऊँ भूमि चावल अनुसंधान केन्द्र, (भा.कृ.अनु.प.-केन्द्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, कटक), हजारीबाग – 825301, झारखण्ड, भारत।

सौम्य साहा, शिवमंगलप्रसाद, बिभाष चन्द्रवर्मा, प्रियमेधा, अरुणकुमारा सी जी, सोमेश्वर भगत, सोमनाथ रॉय, अमृता बनर्जी एवं निमाईप्रसादमंडल (2025), वर्षाश्रित क्षेत्रों में सीधी बुवाई (डी एस आर) विधि से धान उत्पादन। CRRI तकनीकी बुलेटिनसं. 236, केन्द्रीय वर्षाश्रित उपराऊँ भूमि चावल अनुसंधान केन्द्र, (भा.कृ.अनु.प.-केन्द्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, कटक), हजारीबाग – 825301, झारखण्ड, भारत।

Mohanta RK, Sethy S, Sarangi DR, Sahoo TR, Kamboj R and Mounika B. 2025. How to select a good dairy cow. Technical Bulletin No. 37. Krishi Vigyan Kendra, ICAR-National Rice Research Institute, Cuttack.

Book Chapter

Shruti Jaiswal, Kuldeep Kumar, Shiv Mangal Prasad and Asisan Minz (2025). Integrating Agronomic Advances and Traditional Techniques for Improved Agricultural Out comes and Soil Health. *GRISAAS–An Edited Book*, Volume-4: 36-43, Published by Astha Foundation, Meerut (U.P.) India

Kuldeep Kumar, Shruti Jaiswal, Shiv Mangal Prasad and Asisan Minz (2025). Intellectual Property Rights: Issues in Safeguarding Resources. *GRISAAS–An Edited Book*, Volume-4: 65-70, Published by Astha Foundation, Meerut (U.P.) India

Singh, B., Rai, A. K., Kumar, M., & Ranjan, R. (2025). Initiative for the cultivation of broccoli and its medicinal importance. In *Advance Research and Review in Horticulture Science* (Vol. 4). New Delhi: Bright SKY Publication. ISBN: 978-93-6233-394-0.

नियुक्ति

1. श्री प्रशांत कुमार ने 6 जनवरी 2025 को भाकृअनुप-सीआरआरआई-कृषि विज्ञान केंद्र, कोडरमा में सहायक (डीआर) के पद पर कार्यभार संभाला।
2. श्री दिलीप रॉय ने 24 जनवरी 2025 को भाकृअनुप-सीआरआरआई, कटक में मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (वरिष्ठ ग्रेड) के पद पर कार्यभार संभाला।
3. श्री राहुल कुमार ने 27 फरवरी 2025 को भाकृअनुप-सीआरआरआई, कटक में तकनीशियन (टी-1) के पद पर कार्यभार संभाला।

स्थानांतरण/ इस्तीफा

1. डॉ. मोहम्मद शाहिद, वरिष्ठ वैज्ञानिक को भाकृअनुप-आईआईवीआर, वाराणसी में कार्यभार ग्रहण करने के लिए 17.01.2025 (अपराह्न) को भाकृअनुप-सीआरआरआई, कटक से कार्यमुक्त किया गया।
2. श्री वेंकटमैय्या एरुकला, तकनीकी सहायक (टी-3) को भाकृअनुप-सीआरआईडीए, हैदराबाद में कार्यभार ग्रहण करने के लिए 21.01.2025 (अपराह्न) को भाकृअनुप-सीआरआरआई, कटक से कार्यमुक्त किया गया।
3. श्री रोड्डा प्रभाकर राव, तकनीकी सहायक (टी-3) को भाकृअनुप-सीआरआईडीए, हैदराबाद में शामिल होने के लिए 22.01.2025 (अपराह्न) को भाकृअनुप-सीआरआरआई, कटक से कार्यमुक्त किया गया।
4. श्री नारायण तोताराम बोरकर, वैज्ञानिक, को भाकृअनुप-सीआईसीआर, नागपुर में कार्यभार ग्रहण करने के लिए 31.01.2025 (अपराह्न) को भाकृअनुप-सीआरआरआई, कटक से कार्यमुक्त किया गया।
5. श्री रोहित कुमार मीना, तकनीशियन (टी-1) ने भाकृअनुप-सीआरआरआई, कटक से दिनांक 17.02.2025 (अपराह्न) से इस्तीफा दे दिया।
6. श्री पूरन मल मीना, तकनीशियन (टी-1) ने भाकृअनुप-सीआरआरआई, कटक से 17.02.2025 (अपराह्न) से इस्तीफा दे दिया।

Appointment

1. Shri Prashant Kumar, Assistant (DR) joined ICAR-CRRI-KVK, Koderma on 6 January 2025.
2. Shri Dillip Roy, Chief Administrative Officer (Sr. Grade), joined ICAR-CRRI, Cuttack on 24 January 2025.
3. Shri Rahul Kumar, Technician (T-1), joined ICAR-CRRI, Cuttack on 27 February 2025.

Transfer/ Resigned

1. Dr. Mohammad Shahid, Sr. Scientist, was relieved on 17.01.2025 (A.N.) to join ICAR-IIVR, Varanasi.
2. Shri Venkattamaiah Erukala, Technical Assistant (T-3), was relieved on 21.01.2025 (A.N.) to join ICAR-CRIDA, Hyderabad.
3. Shri Rodda Prabhakar Rao, Technical Assistant (T-3), was relieved on 22.01.2025 (A.N.) to join ICAR-CRIDA, Hyderabad.
4. Shri Narayan Totaram Borkar, Scientist, was relieved on 31.01.2025 (A.N.) to join ICAR-CICR, Nagpur.
5. Shri Rohit Kumar Meena, Technician (T-1), resigned from ICAR-CRRI, Cuttack w.e.f. 17.02.2025 (A.N.).
6. Shri Pooran Mal Meena, Technician (T-1), resigned from ICAR-CRRI, Cuttack w.e.f. 17.02.2025 (A.N.).



निदेशक की कलम से *From Director's Desk*

सीधी बुआई बीज वाले चावल को पारंपरिक कीचड़दार खेत में रोपे गए चावल के लिए एक स्थायी विकल्प के रूप में तेजी से पहचाना जा रहा है, विशेष रूप से घटते जल संसाधनों, तीव्र श्रम की कमी और बढ़ती जलवायु परिवर्तनशीलता के मद्देनजर में। पारंपरिक तरीकों के विपरीत, सीधी बुआई बीज वाले चावल में खेत में सीधे बीज बोना शामिल है, जिससे नर्सरी उगाने और हाथों से रोपाई की आवश्यकता समाप्त हो जाती है। यह उपाय न केवल श्रम और निवेश लागत को कम करता है, बल्कि खेत को कीचड़दार करने और निरंतर सिंचाई करने से बचाकर पानी भी बचाता है - ऐसी प्रथाएँ जो ऊर्जा-गहन हैं और ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में महत्वपूर्ण योगदान देती हैं। सीधी बुआई बीज वाले चावल से फसल जल्दी लगती है और जल्दी पकती है, जिससे यह वर्षा आधारित पारिस्थितिकी तंत्र, सीमित जल उपलब्धता वाले क्षेत्रों और विलंबित मानसून या छोटे बढ़ते मौसम वाले क्षेत्रों के लिए अत्यधिक उपयुक्त हो जाता है।

सीधी बुआई बीज वाले चावल को सफलतापूर्वक अपनाने के लिए, कई प्रमुख गुण आवश्यक हैं। इनमें शुरुआती अंकुरण ओज, सूखे और कम फास्फोरस जैसे अजैविक तनावों के प्रति सहनशीलता, कीटों और भूरे धब्बे जैसे रोगों के प्रति प्रतिरोधिता और खरपतवारों के प्रति बढ़ी हुई प्रतिस्पर्धात्मकता शामिल है। मजबूत शुरुआती ओज वाले अंकुरित पौधों को जल्दी से स्थापित करने और खरपतवारों को दबाने में सक्षम बनाती है, जो गैर-बाढ़ की स्थितियों के तहत एक महत्वपूर्ण गुण है जहाँ खरपतवार का दबाव अधिक होता है। इसी तरह, सूखे, पोषक तत्वों की कमी और मिट्टी से उत्पन्न होने वाले रोगजनकों के प्रति लचीलापन प्रदान करने वाले गुण सीधी बुआई बीज वाले चावल के वातावरण की विशिष्ट परिवर्तनशील और चुनौतीपूर्ण स्थितियों के तहत स्थिर पैदावार बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण हैं।

सीधी बुआई बीज वाले चावल के अनुकूलन के लिए आनुवंशिक सुधार के लिए जीनोटाइप x पर्यावरण अंतःक्रियाओं से प्रभावित जटिल मात्रात्मक लक्षणों का दोहन करने के लिए लक्षित प्रयासों की आवश्यकता होती है। इस प्रयास में, प्राकृतिक आनुवंशिक विविधता अप्रयुक्त क्षमता प्रदान करती है। पारंपरिक जर्मप्लाज्म, विशेष रूप से ओराइजा सटाइवा के एयूएस उपसमूह, सीधी बुआई बीज वाले चावल की स्थितियों के लिए अनुकूल अनुकूल लक्षणों का भंडार है। पूर्वी भारत और बांग्लादेश के मूल, एयूएस चावल वर्षाश्रित और तनाव-प्रवण परिस्थितियों में विकसित हुआ है और इसमें शुरुआती ओज, गहरी जड़ें और तनाव सहिष्णुता जैसे अद्वितीय लक्षण हैं। भाकूअनुप-सीआरआरआई में, हाल ही में की किए गए आनुवंशिक अध्ययनों ने कई प्र सीधी बुआई बीज वाले चावल के प्रासंगिक लक्षणों से जुड़े एयूएस प्रविष्टियों के भीतर मूल्यवान एलील और अनुकूल हैप्लोटाइप की पहचान की गई है। GWAS, लिंकेज मैपिंग और हैप्लोटाइप विश्लेषण जैसे तरीकों के माध्यम से, इन जानकारीयों को मार्कर-सहायता और जीनोमिक

Direct-seeded rice (DSR) is increasingly recognized as a sustainable alternative to conventional puddled transplanted rice, particularly in light of diminishing water resources, acute labour shortages, and escalating climate variability. Unlike traditional methods, DSR involves the direct sowing of seeds into the field, thereby eliminating the need for nursery raising and manual transplanting. This approach not only reduces labour and input costs but also conserves water by avoiding puddling and continuous flooding - practices that are both energy-intensive and significant contributors to greenhouse gas emissions. DSR facilitates early crop establishment and accelerated maturity, rendering it highly suitable for rainfed ecosystems, areas with limited water availability, and regions experiencing delayed monsoons or shortened growing seasons.

For the successful adoption of DSR, several key traits are essential. These include early seedling vigour, tolerance to abiotic stresses such as drought and low phosphorus, resistance to pests and diseases like brown spot, and enhanced weed competitiveness. Strong early vigour enables seedlings to establish quickly and suppress weeds, a crucial trait under non-flooded conditions where weed pressure is high. Similarly, traits conferring resilience to drought, nutrient deficiency, and soil-borne pathogens are critical for maintaining stable yields under the variable and challenging conditions typical of DSR environments.

Genetic improvement for DSR adaptation necessitates targeted efforts to harness complex quantitative traits influenced by genotype x environment interactions. In this endeavour, natural genetic diversity offers untapped potential. Traditional germplasm, particularly the *aus* subgroup of *Oryza sativa*, is a repository of adaptive traits suited for DSR conditions. Indigenous to eastern India and Bangladesh, *aus* rice has evolved under rainfed and stress-prone conditions and possesses unique traits such as early vigour, deep rooting, and stress tolerance. At ICAR-CRRI, our recent genetic studies have identified valuable alleles and favourable haplotypes within *aus* accessions associated with multiple DSR-relevant traits. Through approaches such as GWAS, linkage mapping, and haplotype analysis, these insights

चयन रणनीतियों के माध्यम से सीधी बुआई बीज वाले चावल के लिए तैयार किस्मों को विकसित करने के लिए प्रजनन कार्यक्रमों में एकीकृत किया जा रहा है।

संस्थान ने किस्मों के विकास और तनाव-प्रतिरोधी कृषि में महत्वपूर्ण प्रगति की है। सीआर धान 801, 802, 804, 807, 808, 211, 212, 214, 107 और 103 जैसी किस्मों को सीधे बीज वाले चावल के लिए अनुकूलित विशेषताओं के साथ विमोचित की गई है, जिसमें शाकनाशी सहिष्णुता, एरोबिक अनुकूलनशीलता, सूखा प्रतिरोधिता और प्रध्वंस प्रतिरोध शामिल हैं। हमने कई तनाव-सहिष्णु आनुवंशिक स्टॉक (जैसे, कलकेरी, दुलार, ब्लैक गोरा, सीआर 143-2-2, आरआर433-2, सीआरआर751-1-12-बी आदि) की पहचान की है और उन्हें पंजीकृत किया है। सीधे बीज वाले चावल के लिए विशिष्ट मिट्टी और फसल प्रबंधन मॉड्यूल को मानकीकृत किया गया है और आर्बस्कुलर माइकोरिज़ल फॉर्मेशन और रैपिड पैथोजन डायग्नोस्टिक्स और एलएएमपी जैसे नवाचारों को किसानों तक पहुंचाया जा रहा है। सामूहिक रूप से, ये प्रगति भविष्य के लिए जलवायु-अनुकूल, संसाधन-कुशल चावल उत्पादन प्रणालियों के निर्माण हेतु पारंपरिक आनुवंशिक संपदा और नवीन विज्ञान का लाभ उठाने की हमारी प्रतिबद्धता की पुष्टि करती है।

are being integrated into breeding programs to develop DSR-ready varieties via marker-assisted and genomic selection strategies.

The institute has made significant progress in varietal development and stress-resilient agriculture. Varieties such as CR Dhan 801, 802, 804, 807, 808, 211, 212, 214, 107, and 103 have been released with traits tailored to DSR, including herbicide tolerance, aerobic adaptability, drought resistance, and blast resistance. We have also identified and registered several stress-tolerant genetic stocks (e.g., Kalakeri, Dular, Black Gora, CR 143-2-2, RR433-2, CRR751-1-12-B etc.). Soil and crop management modules specific to DSR have been standardized, and innovations such as arbuscular mycorrhizal formulations and rapid pathogen diagnostics (RPA and LAMP) are being extended to farmers. Collectively, these advancements reaffirm our commitment to leveraging traditional genetic wealth and innovative science to build climate-resilient, resource-efficient rice production systems for the future.



संपर्क :

निदेशक, भाकृअनुप-राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान

कटक 753 006, ओडिशा, भारत

दूरभाष: 91-671-2367768-83 | फ़ैक्स: 91-671-2367663

ईमेल: director.nrri@icar.gov.in | directorcrricutack@gmail.com

यूआरएल: www.icar-nrri.in

Contact :

Director, ICAR-National Rice Research Institute

Cuttack 753 006, Odisha India

Phone: 91-671-2367768-83 | Fax: 91-671-2367663

Email: director.nrri@icar.gov.in | directorcrricutack@gmail.com

URL: www.icar-nrri.in

संपादन एवं समन्वयन :

संकलन :

हिंदी अनुवाद :

प्रारूप :

निदेशक: डॉ. ए.के. नायक

जी ए के कुमार एवं बी मंडल

संध्या रानी दलाल

बी के महांती

एस के सिन्हा

Director : A.K. Nayak

Editing & Coordination : G A K Kumar and B Mondal

Compilation : Sandhya Rani Dalal

Hindi Translation : B K Mohanty

Layout : S K Sinha